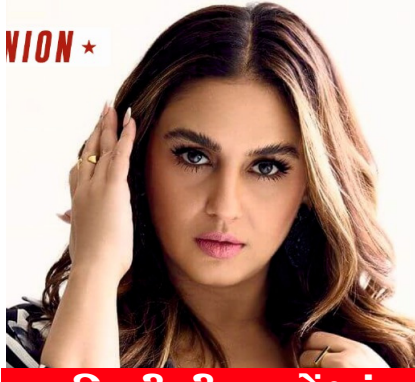




अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप
लाएगी हुमा कुरेशी

कुरनूल में पीएम मोदी बोले-21वीं सदी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की होगी

कुरनूल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मेरा जन्म दादा सोमनाथ की धरती गुजरात में हुआ। मुझे बाबा विश्वनाथ की धरती काशी में सेवा करने का अवसर मिला और आज श्री शैलम का आशीर्वाद मिल रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश गौरव और समृद्ध संस्कृति की भूमि है। यह विज्ञान और नवाचार का केंद्र भी है। इस राज्य में असीम संभावनाएं और अपार क्षमताएं हैं। आंध्र को सही दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में राज्य को अब वह दृष्टिकोण और केंद्र सरकार का समर्थन दोनों प्राप्त हैं।

उन्होंने आगे कहा कि 2047 में आजादी के जब 100 साल होंगे, तब दृढविश्वसि भारत एक होकर रहेगा। मैं विश्वास से कहता हूँ कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की होने वाली है। 21वीं सदी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की सदी होने वाली है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन वाली सरकार की ताकत से राज्य अभूतपूर्व विकास का गवाह



बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आज सड़क, बिजली, रेलवे, राजमार्ग और व्यापार से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इन पहलों से उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और लोगों का जीवन आसान होगा। इन परियोजनाओं से कुरनूल और आसपास के क्षेत्रों को बहुत लाभ होगा। मैं इन विकासों के लिए कुरनूल और पूरे राज्य के लोगों को बधाई देता हूँ।

उन्होंने कहा कि तेज विकास के बीच हमें अतीत की स्थिति को नहीं भूलना चाहिए। लगभग 11 साल पहले, जब केंद्र में कांग्रेस की

सरकार थी, तब प्रति व्यक्ति बिजली की खपत औसतन 1000 यूनिट से भी कम थी। देश को अक्सर ब्लैकआउट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, और हमारे कई गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं थे। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया आज भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से प्राप्त

करने के लिए देश भर में मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। हमारा ध्यान गांवों से शहरों और शहरों से बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर है। पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि तकनीक के मामले में हमारा आंध्र प्रदेश और उसके युवा हमेशा आगे रहते हैं। डबल इंजन वाली सरकार के तहत हम इस क्षमता को और मजबूत कर रहे हैं। आज पूरी दुनिया भारत और आंध्र प्रदेश, दोनों की गति देख रही है। गुगल भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब यहीं हमारे आंध्र प्रदेश में स्थापित कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि हमारी सरकार का विजन है, नागरिक-केंद्रित विकास। हम लगातार नए रिफॉर्म के जरिए नागरिकों के जीवन को आसान बना रहे हैं। देश में 12 लाख रुपए तक की आय पूरी तरह टैक्स फ्री हो चुकी है। सस्ती दवाइयां, सस्ता इलाज, बुजुर्गों के लिए आयुष्मान जैसी अनगिनत सुविधाओं से इंजी ऑफ लिविंग का नया अध्याय शुरू हुआ है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश की क्षमता को नजरअंदाज किया, जिससे न केवल राज्य को, बल्कि पूरे देश को नुकसान हुआ। वह राज्य जो भारत के विकास को गति दे सकता था, उसे अपने विकास के लिए संघर्ष करना पड़ा। अब, एनडीए सरकार के तहत, आंध्र प्रदेश की स्थिति बेहतर हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि निम्नलुख में उन्नत नाइट विजन उत्पादों का कारखाना रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को और मजबूत करेगा। इससे नाइट विजन उपकरणों में भारत की क्षमता बढ़ेगी और यहां निर्मित उत्पाद भारत के रक्षा निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम भारत में निर्मित उपकरणों की ताकत देख चुके हैं।

किसानों की समस्याओं के निपटारे की समय सीमा तय हो : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी सभी शिकायतें एकीकृत मंच पर दर्ज हों और उनके निस्तारण की स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए, ताकि किसान लंबे समय तक समाधान की प्रतीक्षा में न रहें। कृषि भवन, नई दिल्ली में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि जब तक शिकायतकर्ता किसान की संतुष्टि प्राप्त न हो, तब तक किसी भी मामले को बंद न माना जाए, आवश्यक होने पर पुनर्विचार और दोबारा जांच की प्रक्रिया अपनाई जाए।

बैठक में उर्वरक, बीज, कीटनाशक, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पीएम किसान पोर्टल से संबंधित शिकायतों की शीघ्रवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अवगत कराया कि कीटनाशक से जुड़े 150 मामलों में 120 पर कार्रवाई की गई है, 11 में प्रार्थनार्थी दर्ज हुई, 8 मामलों में संबंधित कंपनियों के लाइसेंस निरस्त किए गए और 24 मामलों में किसानों के मुआवजा प्रदान किया गया। मंत्री ने कहा कि शिकायत के निस्तारण के बाद किसानों से दूरभाष पर अनिवार्य रूप से प्रतिक्रिया ली जाए; असंतुष्ट पाए जाने पर प्रकरण पुनः खोला जाए।

केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि अलग-अलग मंचों के स्थान पर



शिकायतों के लिए एक समेकित डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाए, जिससे पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित हो। अधिक शिकायत वाले तथा धीमी कार्रवाई करने वाले राज्यों को सूचीबद्ध कर अगली समीक्षा में शामिल किया जाएगा, वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों और अधिकारियों का सम्मान कर प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार राज्यों के नोडल अधिकारी प्रतिदिन कम-से-कम दस किसानों से सीधे प्रतिक्रिया भी लेंगे।

शिवराज सिंह चौहान ने कुछ गंभीर मामलों में मंत्रालय के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से त्वरित समाधान की रूपरेखा पर भी बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नकली या घटिया उर्वरक, बीज और कीटनाशक के विरुद्ध जीरो-टॉलरेंस अपनाया जाएगा, और गुणवत्ता, उपलब्धता, मूल्य तथा नैनो वूरिया टैगिंग जैसे मुद्दों पर श्रेणीवार निगरानी तेज की जाएगी। आवश्यक वस्तु और गुणवत्ता मानकों के उल्लंघन पर

लाइसेंस निरस्तीकरण, दंड तथा आपराधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कृषि विज्ञान केंद्रों पर केन्द्रीय विमर्श में मंत्री ने कहा कि देश के 731 केवीके किसानों तक तकनीक और नवाचार पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है; इन्हें अधिक सशक्त, तकनीकी रूप से सक्षम और किसानोन्मुख बनाया जाए। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को निर्देशित किया गया कि केवीके को पर्याप्त वित्त, योग्य मानव संसाधन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए, साथ ही वैज्ञानिकों की योग्यता के अनुरूप पदोन्नति, अकादमिक समता और सेवानिवृत्ति लाभ की व्यवस्थाएं सुदृढ़ हों। केवीके में प्राकृतिक खेती, एकीकृत कृषि पद्धति और कृषि उद्यमिता के लिए मॉडल इकाइयाँ विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में यह सहमति बनी कि शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए समय-सीमा निर्धारण के साथ प्रक्रियात्मक सरलता बढ़ाई जाए।

भारत के तेल आयात के संबंध में ट्रम्प के बयान से देश-विदेश में हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस ताजा टिप्पणी से देश विदेश में राजनीतिक व राजनयिक हलकों में एक बड़ी हलचल पैदा हो गयी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें रूस से तेल की खरीद बंद करने का आश्वासन दिया है और यह काम जल्द हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के वाशिंगटन में पत्रकारों के साथ बातचीत में दिये गये बयान को कुछ हलकों में भारत की ईंधन सुरक्षा नीति को प्रभावित करने का श्रेय लेने की अमेरिकी प्रशंसा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। श्री ट्रम्प ने कहा, ब्रह्ममुझे अच्छा नहीं लगता था कि भारत (रूस से) तेल खरीद रहा था। और उन्होंने (मोदी) आज मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ी रोक है।" श्री ट्रम्प के इस दावे पर तत्काल विभिन्न हलकों से तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आनी



शुरू हो गयीं।

नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर अपनी ऊर्जा नीति तय करने का संप्रभु अधिकार रखता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि भारत तेल और गैस का एक बड़ा आयातक है और अति अस्थिर वैश्विक तेल बाजार में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना "लगातार देश की

प्राथमिकता" रही है।

विदेश मंत्रालय ने जोर दिया कि देश की तेल आयात नीति इन दोहरे लक्ष्यों से प्रेरित है कि तेल-गैस की कीमतों में स्थिरता रहे और आपूर्ति सुरक्षित रहे। आयात के स्रोतों का विविधीकरण और उनकी व्यापकता इस नीति के प्रमुख स्तम्भ हैं। मंत्रालय का कहना है कि भारत का यही व्यावहारिक रुख है कि देश पिछले एक दशक से भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को

संतुलित करते हुए, अमेरिका सहित कई साझेदारों से तेल खरीदने के विकल्पों का विस्तार करने का प्रयास करता रहा है। भारत के साथ ऊर्जा सहयोग बढ़ाने की अमेरिका की वर्तमान सरकार की इच्छा भविष्य में ऐसे सहयोग के लिए शुभ संकेत है। यह भारत की संप्रभुता के प्रति सम्मान दर्शाता है।

ट्रम्प के बयान पर रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने प्रतिक्रिया देते हुए रूस से तेल खरीदने में भारतीय अर्थव्यवस्था को होने वाले लाभों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रूस सरकार अमेरिका के साथ भारत के द्विपक्षीय निर्णयों में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी। श्री अलीपोव ने कहा, "भारत और अमेरिका अपने निर्णय को स्वतंत्र हैं।" उन्होंने साथ में दोहराया कि रूस ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को लेकर प्रसन्न है।

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में, हमारी आत्मनिर्भरता का जीता-जागता प्रमाण है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारी सेनाओं ने जिस शौर्य का प्रदर्शन किया, उसे पूरी दुनिया ने देखा। रक्षा क्षेत्र में आजादी के बाद से की स्थितियां थीं, उनको हमने तोड़ा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने सैनिकों के लिए हथियार खुद अपने देश में बनाएगा। बड़ी बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेनाओं ने भारत में बने उपकरणों का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में किया है।

राजनाथ सिंह गुरुवार को सिम्बायोसिस स्क्रिप्स एंड प्रोफेशनल युनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि अब हम सबका लक्ष्य है कि 2029 तक हम इस घरेलू



रक्षा निर्माण को 3 लाख करोड़ रुपए तक ले जाएं और करीब 50,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात भी करें। यह अपने आप में बहुत बड़ा विजन है, लेकिन मुझे भरोसा है कि इस विजन को हम जरूर साकार करेंगे।

उन्होंने कहा कि जब हम स्किल की बात कर रहे हैं, तो उसके साथ-साथ, मैं यह भी मानता हूँ कि हमारे पास स्किल के साथ ही संवेदनशीलता भी जरूरी है। कोई भी स्किल तभी सार्थक है, जब वो समाज के काम आए।

अगर आपका कौशल सिर्फ अपने तक सीमित है, तो वह अधूरा है। आज जब हमारा देश रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तो ऐसे संस्थान और ऐसे कोर्स, हमारे लिए बहुत जरूरी हो जाते हैं। हमें आज ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो सिर्फ पढ़े-लिखे न हों, बल्कि स्वदेशी तकनीक को समझें, उसे बनाएं और आगे बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि एक स्किल माइंड कभी रुकता नहीं, वो हर परिस्थिति में रास्ता खोज लेता है।

मुझे पूरा विश्वास है, कि आपका हर कदम किसी क्रिएशन की दिशा में उठेगा और अपने कौशल, अपने परिश्रम और अपने संकल्प से, आप इतिहास बनाएंगे। यह समय की जरूरत है कि आप इस महत्वाकांक्षा के साथ आगे बढ़ें। आज की दुनिया को ऐसे ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो सिर्फ ये न कहें, कि बदलाव आना चाहिए, बल्कि ये ठान लें कि हम ही बदलाव लेकर आएं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि युवाओं का ज्ञान, उनकी समझ और उनका हुनर यही हमारे देश की असली ताकत है। आने वाले समय में हमारे युवाओं ही भारत की दिशा तय करेंगे। कोशिश कीजिए कि आप जहां भी जाएं, वहां कुछ अच्छा छोड़कर जाएं, किसी के चेहरे पर मुस्कान लाएं, किसी की मदद करें, या फिर किसी को नई उम्मीद दें। यही हम सबके जीवन की असली उपलब्धि है।

आयुष्मान भारत से 45 करोड़ से ज्यादा लोग लाभान्वित हुए: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की प्रमुख स्वास्थ्य योजना 'आयुष्मान भारत' ने अब तक 45 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ दिया है।

इस रिपोर्ट में आयुष्मान भारत के दो प्रमुख कार्यक्रमों, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की उपलब्धियों और प्रगति को विस्तार से बताया गया है। यह रिपोर्ट 2024-25 की है और इसे मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा बैठक के दौरान जारी किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे इन योजनाओं ने भारत की स्वास्थ्य योजना बनानी है, तो इसके लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की स्वास्थ्य प्राधिकरणों के डिजिटल तकनीक को तेजी से अपनाना होगा और नई तकनीकी नवाचारों को भी शामिल करना होगा। यह ही इस योजना की सफलता की कुंजी है।



रूप से बेहतर बनाने और सभी लोगों को समान गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयुष्मान भारत योजना की चार मजबूत शाखाएं हैं, जो अब तक देश के 45 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को फायदा पहुंचा चुकी हैं।

डॉ. बरनवाल ने आगे कहा, 'अगर इस योजना को दुनिया की सबसे बड़ी और सफल स्वास्थ्य योजना बनानी है, तो इसके लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की स्वास्थ्य प्राधिकरणों के डिजिटल तकनीक को तेजी से अपनाना होगा और नई तकनीकी नवाचारों को भी शामिल करना होगा। यह ही इस योजना की सफलता की कुंजी है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत अब तक 9.19 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को अस्पतालों में भर्ती करवाकर इलाज कराया गया है, जिनका कुल इलाज का खर्च करीब 1,29,386 करोड़ रुपये है। इस योजना से मिलने वाले लाभार्थियों में 82 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों के लोग हैं।

आयुष्मान भारत योजना के तहत अब तक 40.45 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो करीब 14.69 करोड़

परिवारों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ पहुंचा रहे हैं। इस कार्ड की मदद से गतिबि और जरूरतमंद परिवार बिना किसी आर्थिक चिंता के अस्पताल में इलाज करा सकते हैं।

डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने भी बड़ी सफलता हासिल की है। इस योजना के तहत अब तक 76.5 करोड़ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) बनाए जा चुके हैं, जिनमें 51.3 करोड़ स्वास्थ्य रिकॉर्ड जुड़े हैं।

एबीएचए ऐप का तीसरा संस्करण हाल ही में 13 भाषाओं में लॉन्च किया गया है, जिसे अब तक 1.57 करोड़ से ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। रोजाना इस

ऐप के माध्यम से 2-3 लाख टोकन बनाए जा रहे हैं, जो दर्शाता है कि आम जनता इस डिजिटल सेवा को अपनाने में काफी सक्षम है। ऐप में नई सुविधाएं जैसे कि आसान ओपीडी रजिस्ट्रेशन, स्कैन और शेयर करने की सुविधा और डिजिटल भुगतान शामिल किए गए हैं, जिससे अस्पतालों में इलाज कराना सरल हो गया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत बनाया गया है। अब तक 96 प्रतिशत शिकायतें पूरी तरह से सुलझाई जा चुकी हैं। लाभार्थियों की संतुष्टि का स्तर 95 प्रतिशत है, जिसमें पीएम-जय योजना के तहत 98 प्रतिशत लोगों का अनुभव सकारात्मक रहा है। कॉल सेंटर की सेवा की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है, जिसका औसत स्कोर 87 प्रतिशत है। डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के मिशन डायरेक्टर, किरण गोपाल वास्का ने बताया, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं है, बल्कि यह पूरे स्वास्थ्य क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव है।

सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी की आय में हुई बेतहाशा बढ़ोतरी पर स्पष्टीकरण दे सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह के करीबी सांसद निशिकांत दुबे के सांसद बनने बाद उनकी पत्नी की आय में बेतहाशा बढ़ोतरी हुयी है और इस बारे में देश को स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए।

पाटी ने कहा है कि श्री दुबे 2009 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गये तो उनकी पत्नी अनामिका गौतम की आय महज 50 लाख रुपए थी और अचल संपत्ति कुछ भी नहीं थी। उनकी संपत्ति आज 32 करोड़ रुपए की हो गयी है जबकि उनकी आय और अर्जित संपत्ति के बीच कोई तालमेल नहीं है। पार्टी ने कहा है कि वह न खाने दूंगा, न खाऊंगा वह का भाषण देने वाले श्री मोदी के वादों की आज उन्हीं के सांसद धज्जियां उड़ा रहे हैं और इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया जा रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने



गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निशिकांत दुबे ने 2009, 2014, 2019, 2024 में लोकसभा का चुनाव लड़ा और उन्होंने चुनाव आयोग को शपथ पत्र में अनामिका गौतम को जो आय दिखाई है उसमें बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। श्री दुबे की पत्नी ने जो शपथ पत्र 2009 में दिया था उसमें वह 50 लाख की संपत्ति की मालकिन थीं लेकिन 2014 में वह एक करोड़ तीन लाख रुपए की मालकिन बन गईं और अचल संपत्ति भी पांच करोड़

रुपए से ज्यादा हो गयी जबकि पहले चुनाव में कोई भी अचल संपत्ति नहीं थी। तीसरी बार जब चुनाव लड़ा तो 3.72 करोड़ रुपए और अचल संपत्ति 9.37 करोड़ रुपए की हो गयी। चौथी बार श्री दुबे सांसद बने तो उनकी पत्नी 35 करोड़ रुपए की मालकिन बन गयीं।

उन्होंने कहा कि उनकी वार्षिक आय 2009 में 3.96 लाख रुपए थी जो 2014 में 27 लाख हो गई, 2015 में 57 लाख पहुंची। उनका कहना था कि यह सारा आंकड़ा आयरक की रिपोर्ट में है और 2019 में उनकी आय बढ़कर 2.16 करोड़ रुपए हो गयी यानी 54 गुना बढ़ी है जो 2024 में 2.63 करोड़ रुपए हुयी है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कमाल यह है कि उनकी आय कम है लेकिन आय इसकी तुलना कई गुना ज्यादा हो रही है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा चुनाव अयोग का है, लोकपाल का है और इस बारे में स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए।

कडदा प्रथा बंद कराने के लिए किसानों के समर्थन में उतरे रेनीश वकरीया

विडुल नानजी कनानी

गुजरात: कडदा प्रथा की समाप्ति के लिए गुजरात के किसानों की सहायता में आगे आए न्याय एवं अधिकार समिति गुजरात के सौराष्ट्र जोन अध्यक्ष श्री रेनीशभाई के. वकरीया साहब। वर्तमान में गुजरात के किसानों की मुख्य समस्या है। फसलों के उचित दाम न मिलना तथा कडदा प्रथा से किसानों को हो रहा अत्याचार। गुजरात में किसानों को उनकी उपज का पूरा भाव नहीं मिल रहा है। विशेषकर मूंगफली में किसानों को मार्केटिंग यार्ड में उचित दाम नहीं मिलते। जब किसान मूंगफली बेचने यार्ड में जाते हैं, तो एक मन (20 किलो) का मूल्य मुश्किल से 7800 से 7950 तक दिया जाता है, जो कि किसानों के लिए बिल्कुल भी लाभदायक नहीं है। इस बार गुजरात में मूंगफली की खेती बहुत अधिक हुई है, लेकिन फिर भी किसानों को मार्केटिंग यार्ड



में उचित भाव नहीं मिल रहे हैं, जिससे अननदात किसान लाचार और दुखी हैं। किसानों की मांग है कि गुजरात सरकार वर्तमान में जो केवल 70 मन मूंगफली (1400 किलो) प्रति खातेदार किसान से समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्णय लिया है, वह बिल्कुल

अनुचित है। किसानों की यह मांग है कि सरकार प्रत्येक खातेदार किसान से 300 मन मूंगफली समर्थन मूल्य पर खरीदे। हमारे पास अनेक किसान अपनी पीड़ा लेकर आए और उन्होंने कहा कि उनकी ओर से यह मांग सरकार तक पहुंचाई जाए ताकि किसानों को

न्याय मिल सके। इसके अतिरिक्त बोटाद मार्केटिंग यार्ड में जो कडदा प्रथा चल रही है, उसे तुरंत बंद किया जाए। इस प्रथा के अंतर्गत किसानों से प्रति मन 780 से 7115 तक की खुली लूट की जाती थी। नीलामी में जो भाव तय होता, वही भाव किसान को देना पड़ता। वर्षों से यह लूट जारी थी, लेकिन सरकार, विधायक, सांसद, मंत्री या मुख्यमंत्री में से किसी का भी ध्यान इस विषय पर नहीं गया। यह बहुत बड़ा प्रश्न है। इसमें करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है, जिसमें व्यापारियों और यार्ड के अधिकारियों की मिलीभगत रही है। सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। अगर सरकार ने समय रहते ध्यान दिया होता, तो किसानों और आम आदमी पार्टी को आंदोलन, मांग-पत्र और किसान महापंचायत आयोजित नहीं करनी पड़ती। किसानों और पुलिस के बीच जो झड़प और दंगे हुए, वह भी टल

सकते थे। इस घटना में पुलिसकर्मी और अधिकारी घायल हुए। हडदड़ गांव में किसान महापंचायत के दौरान हुए लाठीचार्ज में कई किसान घायल हुए, और किसानों तथा आम आदमी पार्टी के नेताओं पर एफआईआर दर्ज कर मुकदमे बनाए गए। इस आंदोलन की मुख्य मांग कडदा प्रथा बंद करने की थी। किसान नेता तथा आम आदमी पार्टी किसान सेल गुजरात के प्रदेश प्रमुख श्री राजुभाई करपड़ा ने किसानों की पीड़ा और भावनाओं को समझा। उन्होंने देखा कि इस प्रथा के कारण करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हो रहा था और किसानों को भारी नुकसान हो रहा था। उनकी यह पीड़ा उन्हें सताती रही और उन्होंने किसानों की समस्या को हल करने का संकल्प लिया। आंदोलन के दौरान पुलिस को लाठीचार्ज और टीयर गैस के गोले छोड़ने की नौबत आई, और स्थिति पर काबू पाया गया।

जिलाधिकारी ने एचडीएफसी बैंक की नवीनीकृत शाखा व फेस्टिव ट्रीट लोन मेले का किया शुभारंभ

आशीष गुप्ता

उत्तर प्रदेश: आज दिनांक 15 अक्टूबर 2025 को जिलाधिकारी श्री पवन कुमार गंगवार द्वारा एचडीएफसी बैंक, डकिनगंज, मीरजापुर के नवीनीकृत शाखा और फेस्टिव ट्रीट लोन मेला का शुभारंभ किया गया। नवीनीकृत शाखा और फेस्टिव ट्रीट लोन मेला के शुभारंभ के अवसर पर जिलाधिकारी महोदय ने शाखा के समस्त कर्मचारी और जनपद के समस्त खाताधारकों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया। जिलाधिकारी महोदय ने बैंक के ग्राहकों को बैंक की सुविधाओं, लोन मेला और साइबर सुरक्षा के बारे में भी अवगत कराया। नगरपालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर केशरी ने भी एचडीएफसी बैंक की सुविधाओं और नगरवासियों के लिए लोन मेला के प्रयास की सुविधाओं को उपलब्ध करवा रहा है जिसमें होम लोन, पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, आटो लोन, टू व्हीलर लोन, गोल्ड लोन, क्रेडिट कार्ड इजी इमआई आफर, किसान शक्ति लोन, दुकानदार ओडी,



प्रापटी लोन, वेहिकल लोन, कार्मिशियल वेहिकल लोन और स्मार्ट हब व्यापार सम्मिलित हैं। एचडीएफसी बैंक, डकिनगंज, मीरजापुर के मुख्य शाखा प्रबंधक अम्बरीश सिंह ने सभी गणमान्य अतिथियों के आगमन और आशीर्वचन पर अपना धन्यवाद प्रेषित किया। इसके साथ ही बैंक अपनी समस्त सुविधाओं को कार्ड इजी इमआई आफर, किसान शक्ति लोन, दुकानदार ओडी,

प्रापटी लोन, वेहिकल लोन, कार्मिशियल वेहिकल लोन और स्मार्ट हब व्यापार सम्मिलित हैं। एचडीएफसी बैंक, डकिनगंज, मीरजापुर के मुख्य शाखा प्रबंधक अम्बरीश सिंह ने सभी गणमान्य अतिथियों के आगमन और आशीर्वचन पर अपना धन्यवाद प्रेषित किया। इसके साथ ही बैंक अपनी समस्त सुविधाओं को कार्ड इजी इमआई आफर, किसान शक्ति लोन, दुकानदार ओडी,

भीषण धमाके से दहला जयसिंहपुर, उड़ी घर की छत लाइसेंसधारक गिरफ्तार

अजय यादव

उत्तर प्रदेश: दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल,आईजी-डीएम-एसपी घटना स्थल पहुंचकर किया जांच-पड़ताल,अस्पताल में भर्ती घायलों तक नहीं पहुंचे। आईजी अयोध्या प्रवीण कुमार विभागीय लापरवाही कहे या मनबड़ इंस्पेक्टर की करगुजारी, आखिर कौन लेगा घटना की जिम्मेदारी अधिकारियों ने धारण किया मौन सुल्तानपुर। जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के मियागंज गांव में बुधवार तड़के हुए भीषण विस्फोट से पूरा इलाका दहल उठा। बताया जा रहा है कि यह धमाका लाइसेंसी पटाखा व्यवसाई मोहम्मद यासीन के घर में हुआ, जिससे पूरा मकान क्षतिग्रस्त हो गया और आसपास के मकानों की दीवारों में भी दरारें पड़ गईं। धमाका इतना तेज था कि



उसकी गुंज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। हादसे में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए, जिनमें दो पड़ोसी भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर पहुंचाया गया, जहां से

गंभीर रूप से झुलसे लोगों को सुल्तानपुर चिकित्सा महाविद्यालय रेफर कर दिया गया।सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर.के.

मिश्रा व नगर कोतवाल धीरज कुमार ने अस्पताल पहुंचकर घायलों के उपचार की व्यवस्था देखी। घटना की जानकारी मिलते ही आईजी अयोध्या प्रवीण कुमार, डीएम कुमार हर्ष और एसपी कुंवर अनुपम सिंह भी घटनास्थल पर

पहुंचे और धमाके की जांच शुरू करवाई। फिलहाल पुलिस ने लाइसेंसी पटाखा व्यवसाई मोहम्मद यासीन को हिरासत में लेकर पुछताछ शुरू कर दी है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह करीब 4:40 बजे जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी, जिससे लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय निवासी नजीर के घर की छत उड़ गई थी और अंदर से लगातार छोटे-छोटे विस्फोट हो रहे थे। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। 108 और 102 की चार एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीं और घायलों को सीएचसी जयसिंहपुर भेजा गया। घायलों में नजीर (65), उनकी पत्नी जमातुल निशा (62), बेटे नूर मोहम्मद (25), सुहैल (17), सदा

(12), खुशी (15), सहाना (20) सहित पड़ोसी अब्दुल हमीद के फैजान (8) व कैफ (22) समेत कई लोग शामिल हैं।धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि अब्दुल हमीद के मकान की दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि नजीर पहले शादी-ब्याह में आतिशबाजी गोला बनाने का काम करता था,लेकिन फिलहाल उसका लाइसेंस निरस्त था। अनुमान लगाया जा रहा है कि घर में रखी विस्फोटक सामग्री के कारण हादसा हुआ।वहीं,प्रशासन ने इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी है। फायर ब्रिगेड और पुलिस बल मौके पर तैनात हैं।धमाके के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत और सन्नाटा पसरा है। लोग अब भी हादसे के मंजर को याद कर सहमे हुए हैं।

ग्लोबल हैडवाशिंग डे पर हाथ स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम किया

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 अक्टूबर को ग्लोबल हैडवाशिंग डे के अवसर पर शासकीय माध्यमिक शाला पतरपाली में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समुदाय के बीच हाथों की स्वच्छता के महत्व को समझना तथा बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूकता फैलाना है।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के शिक्षकों द्वारा ग्लोबल हैडवाशिंग डे के इतिहास एवं महत्व की जानकारी देने से हुई। शिक्षकों ने बताया कि साबुन और पानी से निर्धारित रूप से हाथ धोने की आदत अपनाने से अनेक संक्रामक बीमारियों से बचाव संभव है। विद्यार्थियों को हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन कर व्यावहारिक जानकारी दी गई। मध्याह्न भोजन से पूर्व सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से हाथ



धोकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर बच्चों में स्वच्छता के प्रति रुचि जागृत करने के लिए नारा एवं प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने संदेश दिया कि स्वच्छ हाथ ही स्वस्थ जीवन की पहचान हैं, और हमें इस आदत को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

विधिक सेवा प्राधिकरण ने नशे से जूझ रहे बेटे का इलाज कर राहत दिलाई, मां-बेटी को सुरक्षा दी

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: सूरजपुर जिस बेटे से माँ ने बुढ़ापे में सहारे की उम्मीद की थी, उसी ने नशे के गिरफ्त में आकर उन्हें और उनकी छोटी बेटी को दहशत के माहौल में जीने को मजबूर कर दिया। आए दिन की मारपीट, गाली-गलौज और नशे के लिए पैसों की मांग से तंग, माँ बेटी को आखिरकार घर से ही निकाल दिया, लेकिन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर इस लाचार माँ के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा और न केवल उन्होंने सुरक्षा दिलाई, बल्कि बेटे को भी इलाज के लिए नशा मुक्ति केन्द्र में दाखिला दाखिला कराया। उम्मीद का सहारा बना विधिक सेवा प्राधिकरण परेशान माँ-बेटी को जब पीएलएल उमेश कुमार के माध्यम से यह पता चला की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विधिक सलाह और सहायता उपलब्ध



कराता है, तो वे अपनी समस्या लेकर डीएलएसए कार्यालय पहुँची। उन्होंने अपनी पूरी व्यवस्था सचिव पायल टोपनो को बताई। सचिव पायल टोपनो ने उस माँ की आर्थिक कमजोरी और बेबसी को समझते हुए तत्काल संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने कार्यालय में उपस्थित अधिकार मित्र को पीडित माँ की ओर से नशा मुक्ति केंद्र में दाखिले हेतु तुरंत आवेदन तैयार करने मदद करने के निर्देश दिये। त्वरित कार्यवाही से मिली राहत-

आवेदन मिलते ही, सचिव पायल टोपनो ने बिना देर किए थाना प्रभारी सूरजपुर को पत्र जारी किया, इसमें निर्देशित किया कि पीडिता माँ के बताए परिस्थितियों की करते हुए आवेदिका के पुत्र की सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण कराकर नशा मुक्ति केंद्र में दाखिला कराया जाए। डीएलएसए के इस पत्र का संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी सूरजपुर ने तत्पटा दिखाई, तत्काल आरक्षक और थाने में नियुक्त पीएलबी चौरंजीव लाल

की एक संयुक्त टीम तैयार किया की गई। टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए नशे के आदि हो चुके पुत्र को रेस्क्यू किया, मेडिकल कराया और उसे सफलतापूर्वक सबरी सेवा संस्थान द्वारा संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र सूरजपुर में दाखिला करा दिया। यह पूरी कार्यवाई श्रीमती विनीता वार्नर, अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सूरजपुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। डीएलएसए के इस मानवीय हस्तक्षेप से न केवल माँ और बेटी को घरेलू हिंसा और दहशत से राहत मिली, बल्कि उनके बेटे को भी इलाज और जीवन में बदलाव का मौका मिला। यह घटना दशार्ती है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जरूरतमंदों के लिए केवल एक कानूनी संस्था नहीं, बल्कि त्वरित राहत और मानवीय सहायता का एक शक्तिशाली संघ है।

धम्म परिवर्तन चक्र दिवस अंधकार से समता की ओर

राममेहर

हरियाणा: 14 अक्टूबर 1956 का दिन भारतीय इतिहास में धार्मिक, सामाजिक और वैचारिक क्रांति का प्रतीक है। इसी दिन डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर ने नागपुर के दीक्षाभूमि स्थल पर अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं था, बल्कि उस सामाजिक अन्याय और ब्राह्मणवादी व्यवस्था के विरोध का प्रतीक था, जिसने सदियों तक दलितों को सभी प्रकार के संसाधनों से वंचित रखते हुए गुलामी, अस्पृश्यता और हीनता के अंधकार में डुबोए रखा था। 1900 ईसा पूर्व आए आर्यों के इसी धर्म ने प्रारंभ में महिलाओं, चांडालों और अतिशुद्ध का शोषण किया, जिसकी चपेट में आगे चलकर समस्त दलित समुदाय भी आ गया। इस तथ्यावधि वर्ण व्यवस्था में कोई भी श्रमशील व्यक्ति – चाहे वह पशुपालन करे या कृषि – 'निम्न'



या 'दलित' कहलाया। यही कारण है कि आज यह दिन 'धम्म परिवर्तन चक्र दिवस' के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। हिन्दू धर्म से असंतोष और दलित उत्थान की चाह अंबेडकर का जन्म 1891 में महाराष्ट्र में महार जाति में हुआ, जिसे हिन्दू समाज की शोषणकारी वर्ण व्यवस्था के अंतर्गत 'अस्पृश्य' माना जाता था। उन्होंने बचपन से ही सामाजिक भेदभाव का दंश झेला – स्कूलों में अलग बैठना, पानी तक छूने की मनाही, और सार्वजनिक स्थलों पर

अपमानजनक व्यवहार सहना पड़ा। जैसे-जैसे उनकी शिक्षा और समझ बढ़ी, उन्होंने महसूस किया कि हिन्दू धर्म की वर्ण व्यवस्था में समानता और मानवाधिकारों के लिए कोई स्थान नहीं है। वे बार-बार कहते थे – 'मैं हिन्दू पैदा हुआ हूँ, पर हिन्दू के रूप में मरूँगा नहीं।' अंबेडकर का प्रारंभिक संघर्ष सामाजिक अधिकारों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए था। उन्होंने जातिगत भेदभाव को धर्म की जड़ों में बसी एक

संरचनात्मक समस्या के रूप में देखा। इसी कारण उन्होंने शिक्षा को दलित मुक्ति का पहला हथियार माना और कहा – 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो।' शिक्षा के माध्यम से उन्होंने अपनी जाति को केवल जीवित रहने नहीं, बल्कि समान और आत्मगौरव के साथ जीने की दिशा दी। बुद्ध तक की वैचारिक यात्रा ऐतिहासिक पूना पैक्ट के दौर में, अर्थात् 1930-40 के दशक में, अंबेडकर ने हिन्दू, इस्लाम, ईसाई, सिख और बौद्ध धर्मों का गहन अध्ययन किया, ताकि वे ऐसा धर्म चुन सकें जो व्यक्ति को समता, समानता और करुणा प्रदान करे। उन्होंने पाया कि बौद्ध धर्म तर्क, नैतिकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित है। बुद्ध का मध्य मार्ग, करुणा, समतावाद और कर्म पर विश्वास – अंबेडकर के मानवतावादी और सामाजिक न्याय के दर्शन से मेल खाता था।

उन्होंने कहा कि बुद्ध न तो ईश्वर में विश्वास करते थे, न आत्मा और पुनर्जन्म की कठोर अवधारणाओं में, बल्कि वे जीवन की वास्तविकता और दुःख के कारणों पर ध्यान केंद्रित करते थे। इस वैचारिक संगति ने अंबेडकर को बौद्ध धर्म की ओर प्रेरित किया। 14 अक्टूबर 1956 के कारणों पर ध्यान केंद्रित करते थे। अंबेडकर की यह वैचारिक यात्रा केवल धार्मिक नहीं थी, बल्कि राजनीतिक और आर्थिक समानता के दर्शन से भी जुड़ी थी। वे जानते थे कि केवल धार्मिक परिवर्तन से पूर्ण मुक्ति संभव नहीं। इसके लिए सामाजिक संरचनाओं

और आर्थिक संसाधनों पर परिश्रमी वर्ग का अधिकार आवश्यक है। इसी कारण उनकी सोच में समाजवादी और आंशिक रूप से मार्क्सवादी तत्व दिखाई देते हैं। उन्होंने मार्क्स की भौतिक असमानता को सामाजिक दमन की जड़ माना। वे मार्क्सवाद से दूरी रखते हुए भी समाजवादी दृष्टिकोण को दलित उत्थान का आवश्यक मार्ग मानते रहे। उन्होंने आंदोलन के लिए लोकतांत्रिक और संवैधानिक उपायों को प्राथमिकता दी। वे राज्य के माध्यम से संसाधनों के समान वितरण और अवसरों की समानता के पक्षधर थे। बौद्ध धर्म का करुणा और अहिंसा पर आधारित दर्शन उनके समाजवाद के मानवीय संस्करण का आधार बना। धम्म परिवर्तन का प्रभाव और आज की प्राथमिकता धम्म परिवर्तन चक्र दिवस के बाद भारत में दलित चेतना का एक नया युग प्रारंभ हुआ।

एक नजर

नाहरगढ़ गांव में स्कूल जाने का रास्ता नहीं, प्रशासन ने नहीं की कार्रवाई



मुकेश मेघवंशी/राजस्थान: भीलवाड़ा जिले के हूर डा ब्लॉक से ग्राम पंचायत खेजड़ी के गांव नाहरगढ़, ओर भीमलत के बच्चे को विद्यालय में जाने के लिए नदी में रास्ता नहीं होने के कारण परेशानी हो रही है। लेकिन कई बार गांव वालो ने मिलकर प्रशासन को यह जानकारी दी। उनकी ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे आने जाने के लिए पानी में होकर गुजरना पड़ता है। गांव वालों और बच्चे के परिवार वालों को कोई अनहोनी घटना का डर बना रहता है। आम जन को भी रास्ता नहीं होने के कारण परेशानी हो रही है, लेकिन प्रशासन आंख बन्द करके बैठे हुए हैं।

बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान अंतर्गत किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित



प्रभेश मिश्रा/छत्तीसगढ़: कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के मार्गदर्शन से ओडुगी ब्लॉक में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला विशालपुर में बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत किशोर किशोरियों के साथ किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम किया गया। इसमें गुड टच बेड टच, रूप नहीं गुण, आज हमने क्या सीखा, पढ़ाई का कोना, घरेलू हिंसा, लिंग आधार हिंसा एवं बाल विवाह जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा हुआ साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 112 की जानकारी दी गई। इस जागरूकता कार्यक्रम में युनिसेफ एग्रिकोन फाउंडेशन से ब्लॉक समन्वयक श्री धनराज जगते और प्रधान पाठक एवं सभी शिक्षक गण उपस्थित रहे कार्यक्रम अनुशासन में रहकर संपन्न हुआ।

दीपावली के बाद चलेगी भारत की पहली प्रदूषण रहित हाइड्रोजन ट्रेन



अजय यादव/उत्तर प्रदेश: दीपावली के बाद दौड़ेगी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन। हरियाणा के दो जिलों के बीच चलाने की तैयारी की जा रही है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन दीपावली के बाद सोनीपत-गोहाना-जींद के बीच चलने के लिए तैयार है। जींद में हाइड्रोजन प्लांट में टेस्टिंग चल रही है। यह ट्रेन प्रदूषण रहित होगी और इसमें 2,638 यात्री सफर कर सकेंगे। प्लांट में रोजाना 430 किलो हाइड्रोजन का उत्पादन होगा। यह भारतीय रेलवे के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद करेगा।

अवैध लकड़ी कटान पर बड़ी कार्रवाई, ठेकेदार शमीम भेजा जेल

उत्तर प्रदेश: मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में लकड़कटो के हौसले बुलंद। भरसवा गांव में प्राथमिक विद्यालय के पीछे महुव के पेड़ों पर शमीम ठेकेदार ने चलाया आरा। पहले भी ठेकेदार ने कुंदनखेड़ा गांव में कई नीम के पेड़ों पर बगैर परमिशन चलाया था आरा। मोहनलालगंज एसपी रजनीश वर्मा के निर्देश पर। बगैर परमिशन अवैध कटान पर चला गौरा चौकी इंचांज सौरभ सिंह व वन विभाग का हंटर। सूचना पर तत्काल हकत में आकर की ठोस कार्रवाई। धारा 4/10 वन संरक्षण अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर भेजा जेल।

मंडलायुक्त अटल राय ने कविता से मोह्रा मन, विराट कवि सम्मेलन में गूंजता रहा पंडाल

राकेश कुमार हाड़ा

उत्तर प्रदेश: कविता की उत्पत्ति पीढ़ी से होती है जब हृदय में कोई पीर दिन रात रोती है जब प्रफुल्लित होती है भावों एवं विचारों की एक शब्दमयी कविता शायद उसी को कहते हैं यह कविता किसी कवि ने नहीं बल्कि सहारनपुर के मंडलायुक्त अटल राय ने पढ़कर शुरूआत की उन्होंने बता दिया कि उनके हृदय में भी एक कवि धड़कता है इसके अलावा देशभक्त ओजस्वी शब्दों की वर्णमाला से परिपूर्ण रचनाएं दर्शकों को सुनने को मिली सहारनपुर में आयोजित विराट कवि सम्मेलनमें। श्री दिगंबर जैन गंजरथ महोत्सव यात्रा के उल्लेख में आयोजित रात्रि कार्यक्रमों की श्रृंखला में कवियों ने जहां हास्य व्यंग्य से दर्शकों को खूब वह-वाही लूटी तो वहीं बोल कवित्री ने खूब गुदगुदाया तो कहीं कवियों ने अपने ओजस्वी कविताओं से दर्शकों में देश भक्ति का संचार किया, विराट कवि सम्मेलन इतना अधिक सफल रहा सुबह के 4:00 तक दर्शन लगातार वहीं पर जुटे रहे और वंस मोर वंस मोर के साथ करतल ध्वनि से लगातार पंडाल गूंजता रहा।

सहारनपुर जैन धर्मशाला में श्री दिगंबर जैन पंचान समिति के निदेशन में श्री दिगंबर जैन सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित विराट कवि सम्मेलन में एक से बढ़कर एक कवि अपनी कविताओं से सभी का मनोरंजन करते रहे और दर्शक झूमते रहे



कार्यक्रम का शुभारंभ चित्र अनावरण से श्रीमती सरिता जैन ने किया वहीं दीप प्रज्वलन अजय जैन अखिल जैन श्रीमती पंकी जैन ने किया मंच का उद्घाटन टोली गुलाबान के चौधरी अरुनीश जैन राजा ने किया वहीं मुख्य अतिथि

के तौर पर मंडलायुक्त अटल कुमार और नगर आयुक्त शिपू गिरी पधारे। मंडला आयुक्त अटल राय ने कहा कि जैन धर्म के सिद्धांत आज वर्तमान समय में प्रासंगिक है जियो और जीने दो और अहिंसा परमो धर्म को यदि सभी अपना लें

तो अपराध अराजकता का स्वतः ही दमन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी धर्म में कुछ ना कुछ खास होता है जिसे हमें ग्रहण करने की आवश्यकता होती है यदि हम उनका पालन करें तो केवल दुसरों का ही नहीं अपना जीवन पहले

सवार लेंगे। मंडलायुक्त अटल राय ने अपने व्यक्तियों को कविता के अंदाज में कहां की वह इस कवि सम्मेलन में आकर अपार प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं कविता की उत्पत्ति पीढ़ी से होती है जब हृदय में कोई पीर दिन रात रोती है जब प्रफुल्लित होती है भावों एवं विचारों की एक शब्दमयी कविता शायद उसी को कहते हैं कविता' मंडलायुक्त के मुख्याविंद नई कविता की सरिता प्रवाहित होते देख सभी ने उत्साह पूर्वक करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया

नगरायुक्त शिपू गिरी ने कहा कि जैन धर्म उन्हें बचपन से ही आकर्षित करता रहा है उनकी सरलता सहजता और धर्म के प्रति समर्पण उन्हें बेहद अच्छा लगता है जैन धर्म में जो नियम और सिद्धांत बताए गए हैं यदि भगवान महावीर स्वामी द्वारा बताए गए उन सिद्धांतों का जीवन में सभी पालन कर ले अपने जीवन में उतार ले तो निश्चित रूप से जीवन बेहतर हो जाएगा एक नियम ही जीवन को बदल देता है और आज हम यहां पर जैन कवि सम्मेलन में उपस्थित होकर कविताओं का आनंद लेने के लिए आए हैं। जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कुमार जैन ने कहा कि यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि आज मंडलायुक्त और नगरायुक्त दोनों ही विराट कवि सम्मेलन के मंच पर आसीन है और देश भर से आए कवियों को सुनने के लिए यहां पर हजारों की संख्या में दर्शनीय कविताओं के माध्यम से दर्शकों में राष्ट्रभक्ति की ज्वाला भड़का दी।

निकलती है जब 17 फीट ऊंचे स्वर्ण मण्डित रथ पर सवार होकर नगर के भ्रमण के दौरान सभी श्रद्धालु उनके दर्शन करते हैं यह हमारे बड़े सौभाग्य की बात है इस श्रृंखला में यह मंच केवल जैन धर्म के प्रतिभाओं को ही नहीं अन्य धर्म की प्रतिभाओं को भी सम्मक्ष लाने का कार्य करता है यह हमारे लिए वाकई बड़े सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आरएसएस के विभागकार्यवाहक अरविंद जी और कवींद्र जी पाण्डे गौरव जैन नीरज शर्मा मयंक गर्ग उपसभापति,मुकेश दीक्षित, विपिन सलुजा, अनुज जैन पधारे। कार्यक्रम के अध्यक्ष महावीर जैन, स्वागत अध्यक्ष अविनाश जैन नाटी अर्णव जैन मुख्य संयोजक अनिल जैन मयंक जैन रहे वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर विजय कुमार नवीन कुमार जैन टोली शोरमियान के चौधरी राकेश कुमार जैन जैन समाज केकोषाध्यक्ष अरुण जैन रहे।

विराट कवि सम्मेलन में जहां धार्मिक कविताएं और धर्म के ऊपर मंडरा रहे संकट को बताया तो वहीं शौर्य राष्ट्रभक्त ओतपोत कविताओं के माध्यम से वीर रस जन जन में नजर आया कवियों ने हास्य कविताओं के माध्यम से सभी को खूब हंसाया तो तो व्यंग्यता से दर्शकों की अंतरात्मा को झझकोरा। विराट कवि सम्मेलन के मंच का संचालन कर रहे क्रांति कवि सौरभ सुमन ने अपनी कविताओं के माध्यम से दर्शकों में राष्ट्रभक्ति की ज्वाला भड़का दी।

मिशन शक्ति टीम की कार्रवाई, महिलाओं पर अश्लील टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर केथाना देवबन्द मिशन शक्ति टीम की त्वरित कार्यवाही मिशन शक्ति एण्टीरोमियो टीम द्वारा सड़क पर आती जाती हुई महिलाओं व युवतियों पर अश्लील फ्लिब्त्यों कसने वाले 01 मनचला अभियुक्त गिरफ्तार। जनपद सहारनपुर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, निदेशन में महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम, नारी सुरक्षा एवं सम्मान को सुदृढ़ करने हेतु जनपद में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी देवबन्द के निरिक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक श्री सरेन्द्र कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना देवबन्द मिशन

शक्ति एण्टी रोमियो टीम द्वारा एक सराहनीय कार्रवाई की गई। घटना का विवरण: दिनांक 16.10.2025 को थाना देवबन्द मिशन शक्ति टीम द्वारा ठाकुर कृपाल सिंह मेमोरियल डिग्री कालिज रणखण्डी से गश्त के दौरान 01 संदिग्ध व्यक्ति को समय 11.05 बजे गिरफ्तार किया गया, जो सड़क पर आने जाने वाली महिलाओं एवं युवतियों पर अश्लील टिप्पणियाँ एवं फ्लिब्त्यों कस रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त थाना देवबन्द का प्रचलित हिस्ट्रीशीटर अपराधी भी है। कानूनी कार्रवाई- अभियुक्त की गिरफ्तारी के आधार पर थाना देवबन्द पर मु0अ0सं0-859/25, धारा 296 बीएनएस के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: स्वास्थ्य विभाग से संबंधित व विभिन्न समस्याओं और योजनाओं की ली जानकारी जनपद सहारनपुर के नगर देवबंद में मिशन शक्ति अभियान के तहत एक अनूठी पहल की गई। महिला सशक्तिकरण एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित इस अभियान के अंतर्गत राजकीय कन्या इंटर कॉलेज देवबंद की कक्षा 11 वीं की छात्रा कुंझ संस्कृति को एक दिन के लिए अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निरीक्षण किया तथा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित विभिन्न समस्याओं और योजनाओं की



कार्यालय ले गई जहां उन्होंने औपचारिक रूप से उसे कार्यभार ग्रहण कराया। इस दौरान कुंझ संस्कृति ने अधीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया तथा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित विभिन्न समस्याओं और योजनाओं की

जानकारी ली। ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक देवेन्द्र कुमार द्वारा उन्हें उपस्थित पंजिका एवं भ्रमण पंजिका का निरीक्षण कराया गया। एक दिन के प्रभारी के रूप में कार्य कर रही छात्रा कुंझ संस्कृति ने उपस्थित सभी डॉक्टरों और

स्टाफ को सख्त दिशा निर्देश दिए तथा अस्पताल से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर अधीक्षक डॉक्टर रियंका चौधरी ने छात्रा कुंझ संस्कृति की सोच और सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि मिशन शक्ति अभियान से बेटियों में नेतृत्व की भावना विकसित हो रही है, ऐसे अवसर उन्हें समाज और प्रशासन की कार्य प्रणाली को समझने के साथ-साथ अपने विचार रखने का मंच भी प्रदान करते हैं। इस मौके पर डॉक्टर आशुतोष ,डॉक्टर राहुल कुमार,डॉक्टर कुतिका पंकज ,फार्मासिस्ट मोतीलाल, बीसीपीएम पूनम त्यागी, एलएचवी भूप सिंह आदि ने छात्रा संस्कृति की खूब सराहना की।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल सख्खिडी चेक वितरित किए

अजय यादव/उत्तर प्रदेश: दीपावली के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बुधवार को प्रदेशभर में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल सख्खिडी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से लाभार्थियों को चेक प्रदान किए। इसी क्रम में सुलतानपुर जनपद के नवीन सभागार कलेक्ट्रेट में भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान उज्ज्वला योजना की लाभार्थी श्रीमती गीता, श्रीमती सुष्मा देवी, श्रीमती पंकी, श्रीमती रजनी मिश्रा और श्रीमती दिव्या देवी को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए। जिले में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 2,29,483 लाभार्थी हैं। सभी पात्र उपभोक्ताओं के बैंक खातों में ₹59.58 की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डी बी टी) के माध्यम से भेजी गई। इस अवसर पर माननीय सदस्य विधान परिषद शैलेंद्र प्रताप सिंह, विधायक सुलतानपुर विनोद सिंह, विधायक कांटीपुर राजेश गौतम, भाजपा जिलाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

ईओडब्ल्यू के इंस्पेक्टर अजय कुमार शर्मा को मिला यूपी का बेस्ट इन्वेस्टिगेशन अवार्ड

राममेहर

हरियाणा: पुलिस महानिदेशक आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन नीरा रावत जी के द्वारा ई.ओ. डब्ल्यू में तैनात इंस्पेक्टर अजय कुमार शर्मा को उत्तर प्रदेश के बेस्ट इन्वेस्टिगेशन अवार्ड से किया सम्मानित। ऐसे ही अधिकारी और कर्मचारी पुलिस विभाग की आन बान और शान होते हैं जो सदैव अपने अच्छे कार्यों से पुलिस का इकबाल चुनंद करने में सदैव मुस्तैद रहते। पुलिस



सेवा में विशेष उल्लेखनीय योगदान करने वाले इंस्पेक्टर अजय कुमार शर्मा को एक बार फिर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। विदित हो

की इन्होंने अपने कार्यकाल में बहुत से अवार्ड और तमगें प्राप्त किए हैं जो इस बात का सबूत है कि इन्होंने पुलिस सेवा में रहकर सदैव अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस हर पद पर रहकर देने का सराहनीय प्रयास निरंतर किया है और समय-समय पर इनकी सराहनीय सेवाओं के बदले अलग-अलग अवार्ड से नवाजा भी गया है। यह सच है कि ऐसे ही अधिकारी और कर्मचारी पुलिस विभाग की आन बान और शान होते हैं जो सदैव

अपने अच्छे कार्यों से पुलिस का इकबाल चुनंद करने में सदैव मुस्तैद रहते हैं और आज फिर उन्हें पुलिस महानिदेशक आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन नीरा रावत जी के द्वारा ई.ओ. डब्ल्यू में तैनात इंस्पेक्टर अजय कुमार शर्मा को उत्तर प्रदेश के बेस्ट इन्वेस्टिगेशन अवार्ड से सम्मानित भी किया गया है। हम इनके ऐसे कार्यों को दिल से सलूट और सलाम करते हैं कोर्ट-कोर्ट बधाई और धन्यवाद।

कडदा प्रथार के खिलाफ किसान सड़कों पर, आप पार्टी ने मनाया काला दिवस

विठ्ठल नानजी कनानी

गुजरात: किसानों के साथ जो अन्याय हो रहा है, उसके खिलाफ न्याय की लड़ाई और किसानों के हक एवं अधिकारों की लड़ाई के लिए आम आदमी पार्टी गुजरात के विभिन्न नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान एकजुट होकर संघर्ष कर रहे हैं। यह लड़ाई खास तौर पर बोटद में 'कडदो प्रथा' (कपास में कडदा प्रथा) को पूरी तरह समाप्त करने की मांग को लेकर है। गुजरात के किसानों ने बार-बार बोटद मार्केटिंग यार्ड के अधिकारियों और व्यापारियों से इस 'कडदा प्रथा' को बंद करने की मांग की थी, क्योंकि गुजरात के सभी खेतेदार किसानों को यह प्रथा बिलकुल भी मंजूर नहीं थी। किसानों ने बार-बार लिखित और मौखिक रूप से रजुआत की, लेकिन बोटद मार्केटिंग यार्ड के अधिकारी और व्यापारी कोई जवाब नहीं दे रहे थे।

जब किसानों की बात नहीं सुनी गई, तो मजबूर होकर किसानों को सड़कों पर उतरकर आंदोलन करना पड़ा। लेकिन अरसेस की बात यह है कि गुजरात सरकार में बैठे किसी भी विधायक, सांसद,



मंत्री, गृह मंत्री, कृषि मंत्री, मुख्यमंत्री, या सत्ताधारी दल के प्रदेश अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों को गुजरात के किसानों की जरा भी चिंता नहीं रही। यहां तक कि केंद्र में बैठे सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को भी गुजरात के किसानों के अधिकारों और हकों की परवाह नहीं रही। अगर सच में सरकार को किसानों की फिक्र होती, तो किसानों को बोटद मार्केटिंग यार्ड के खिलाफ सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने या 'किसान महापंचायत' आयोजित करने की नौबत ही नहीं आती। अगर गुजरात सरकार ने समय रहते 'कडदा

प्रथा' को खत्म कर दी होती, तो किसानों को यह आंदोलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। जिन नेताओं, पदाधिकारियों या अधिकारियों ने बोटद मार्केटिंग यार्ड में 'कडदा प्रथा' के नाम पर भ्रष्टाचार किया है, उनकी जांच की जानी चाहिए। वरों से इस 'कडदा प्रथा' और तौल-माप में खुलेआम लूट चल रही थी, लेकिन गुजरात सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। मेहनतकश किसान लूटते रहे, और सरकार खामोश रही। अगर सरकार ने थोड़ा भी ध्यान दिया होता, तो पुलिस और

किसानों के बीच ऐसी झड़प नहीं होती। इस घटना में कई पुलिसकर्मी और अधिकारी घायल हुए हैं। आंदोलन के दौरान पुलिस ने किसानों पर भारी लाठीचार्ज किया, और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए टियर गैस के गोले छोड़े। कई निर्दोष लोग घायल हुए हैं, और कई निर्दोष गांव वाले भी इसका शिकार बने हैं।

बताया जाता है कि हडदड़ गांव में पुलिस ने घरों में घुसकर लोगों को मारा-पीटा। किसी ने भीड़ में पुलिस और पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया, जिससे गाड़ियों में तोड़फोड़ हुई। इसके जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज और टियर गैस का इस्तेमाल किया। इस घटना में पुलिस और किसानों के बीच सीधा टकराव हुआ।

संभावना है कि कुछ विरोधी तत्वों, गुंडों या किसान-विरोधी ताकतों ने जानबूझकर 'किसान महापंचायत' को रोकने के लिए यह उपद्रव कराया हो। इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए।

इस अन्याय के खिलाफ गुजरात के कई गांवों और शहरों में किसानों और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किए। सभी ने सिर और हाथ पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया।

राजकोट शहर और मेटोडा जी.आई.डी.सी. क्षेत्र में भी आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और किसानों ने 'काला दिवस' मनाया। दिनांक 12/10/2025, रविवार को आम आदमी पार्टी और किसानों ने इस दिन को 'काला दिवस' घोषित किया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी के नेता किसान हित अन्य आप कार्यकर्ताओं ने सिर पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया। जनता और किसानों को न्याय मिले तथा हकडदा प्रथाह को पूरी तरह समाप्त किया जाए – यह न्याय एवं अधिकार समिति गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष श्री परसोतमभाई नाथभाई मुंगरा की प्रमुख मांग है।

इसके अलावा, किसानों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में राजकोट वार्ड नंबर 12 के आप नेता श्री मिलनभाई सोजीत्रा, श्री महेशभाई राठोड़ (वार्ड नं. 12 अध्यक्ष), श्री दिलीपसिंह वाघेला और अन्य आप कार्यकर्ताओं ने सिर पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया। जनता और किसानों को न्याय मिले तथा हकडदा प्रथाह को पूरी तरह समाप्त किया जाए – यह न्याय एवं अधिकार समिति गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष श्री परसोतमभाई नाथभाई मुंगरा की प्रमुख मांग है।

एक नजर

आइसक्रीम फेरी वाले के बेटे शिवराज

कुमावत ने पछार में पाई 92वीं रैंक

सुमित बैरवा/राजस्थान:

शिवराज कुमावत का आरएसएस परीक्षा में 92वीं रैंक लाकर साबित कर दिया है कि परिस्थितियां किसी भी हो, लगन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। शिवराज 2019 से इसकी तैयारी कर रहे थे। पिता कन्यालाल कुमावत कृषि कार्य करते हैं। बेटे को पढ़ाने के लिए उन्होंने आइसक्रीम की फेरी भी लगाई। इस दौरान शिवराज ने दो साल जयपुर में तैयारी की। इसके बाद 2020 से 2025 तक सेल्फ स्टडी की। उन्होंने दूसरी बार में आरएसएस क्लॉयर कर लिया। इससे पहले उनकी 1302वीं रैंक बनी थी, लेकिन रैंक सुधार के लिए उन्होंने फिर से परीक्षा दी और इस बार 92वीं रैंक बनाई। शिवराज ने बताया कि वह वर्तमान में आसिंद में 2023 से ग्राम विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। काम के साथ तैयारी कर रहे थे। सफलता का श्रेय माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया।



मतसा गांव में नाले के पानी से रास्ता जलमग्न,

आवागमन और फसल दोनों प्रभावित

रानू/उत्तर प्रदेश:

मतसा गांव में लोगों को रस्ते में जाने में अधिक परेशानी हो रही है। क्योंकि रास्ता में नाला का पानी लग गया है इसलिए गांव के लोग घरों या दुबारों पर जाने में दिक्कत हो रही है। गांव का प्रधान है कि इस समस्या का कोई समाधान नहीं कर रहा। यहां इस रास्ते में रोड के बीच में एक पुल बन जाएगा तो पानी रोड पर नहीं लगेगा और लोगों को कोई परेशानी भी नहीं होगी। घरों का पानी इस नाला (पोखरी) में न्य्दा हो गया और उसी में बरिश आ गई और रास्ता पर पानी लग गया। इस पानी वजह की से एक किसान का 2 बीघा घान की फसल नष्ट हो गया जिससे उसकी एक साल की मेहनत का नुकसान हो गया। रास्ता पर पानी आने की वजह से गांव के बच्चों को स्कूल जाने में काफी दिक्कत हो रही है और गाड़ी-मोटर को भी जाने में दिक्कत हो रही है। इस पानी को पार करके बच्चे स्कूल जाते हैं। जिससे कई दिनों से पानी इसी तरह रोड पर लगने की वजह से जो लोग इसे पार करके जाते हैं उनका तबियत खराब होना,पैर में खुजली होना आदि कई तरह की परेशानियाँ होती है जिससे कि बहुत बीमारियाँ (इम्फेक्शन) हो रही है।



शासकीय नवीन महाविद्यालय में एड्स जागरूकता

पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित



प्रभेश मिश्रा/छत्तीसगढ़: शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में महाविद्यालय रेड रिबन क्लब इकाई के तत्वाधान में 'एड्स के प्रति जागरूकता' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त इस लाशूलाज बीमारी के प्रति लोगों और विद्यार्थियों में जागरूकता और सतर्कता प्रदान करना था व्याख्यायन के मुख्य वक्ता डॉ राहुल कुमार साव, सहायक प्राध्यापक प्राणी शास्त्र, शासकीय नवीन महाविद्यालय ओडगढ़ी रहे डॉ साव ने विद्यार्थियों को एड्स से सम्बंधित प्रत्येक पक्ष जैसे एड्स फैलने के कारण (संक्रमण) दवा से बचाव, जागरूकता ही बचाव और सरकारी बचाव एड्स के लिए जवाबदेह वायस एचआईवी कैसे हमारी इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है और मौत के मुंह तक मानव को ले जाता है पर अपना व्याख्यान केन्द्रित किया। उक्त व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन और महाविद्यालय रेड रिबन नोडल प्रभारी धीरेन्द्र कुमार जायसवाल ,अतिथि व्याख्याता सचिन मिंज, पिटू गुता, रामनिवास पटेल, ने आवश्यक सहयोग प्रदान किया उक्त व्याख्यान से महाविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

रुद्राभिषेक से मिलती है कष्टों से मुक्ति,

गुरुदेव भास्कर भारद्वाज



जयवीर सिंह/राजस्थान: रुद्राभिषेक करने से अनेक प्रकार के कष्टों से मिलती है मुक्ति झ गुरुदेव भास्कर भारद्वाज। पवित्र मानन दीप सत्संग सेवा संस्थान कोटकासिम की ओर से संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए गुरुदेव भास्कर भारद्वाज से सानिध्य में मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भोलैनाथ का भव्य रुद्राभिषेक किया गया। गुरुदेव भास्कर ने दीप प्रज्वलित कर मंत्र उच्चारण के साथ कराया रुद्राभिषेक। कार्यक्रम की शुरूआत गुरुदेव भास्कर भारद्वाज ने दीप प्रज्वलित कर और भोले बाबा का विधि-विधान से अभिषेक कर की। इस दौरान गुरुदेव ने समस्त सत्संग परिवार को भगवान शिव की आराधना में शामिल कर संपूर्ण मानवता के कल्याण की प्रार्थना कराई। पवन उर्फ गोली प्रजापत द्वारा महादेव के सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई। भक्तिमय वातावरण में पवन उर्फ गोली प्रजापत द्वारा भोले बाबा के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा परिसर 'हर हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा। भोले बाबा की कृपा के लिए पवित्र बनकर भाव प्रेम अर्पण करें। गुरुदेव भास्कर भारद्वाज ने अपने प्रवचन में कहा कि रुद्राभिषेक करने से शिवजी की कृपा प्राप्त होती है और मनुष्य अनेक प्रकार के दुखों और कष्टों से मुक्ति पाता है। उन्होंने कहा कि 'यदि हम भोले बाबा की सच्ची कृपा पाना चाहते हैं, तो हमें अपने मन को पवित्र कर भाव और प्रेम से भगवान का पूजन करना चाहिए। इस दौरान सत्संग परिवार सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे और भक्ति भाव से रुद्राभिषेक में सहभागी बने।

खेजड़ी के मुरायला गांव में प्राकृतिक खेती

पर कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया

मुकेश मेघवंशी/राजस्थान: आज दिनांक (15/10/2025) राजस्थान में जिला भीलवाड़ा के ब्लॉक हुर डा के ग्राम पंचायत खेजड़ी के गांव मुरायला में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण योजनाअन्तर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन कार्यालय सहायक निदेशक कृषि (विभाग)गुडूपुरा द्वारा करवाया गया। सहायक कृषि अधिकारी सुरेश चन्द्र जाणी ने विभाग द्वारा संचालित अनुदानित योजनाओ व प्राकृतिक खेती की रूपरेखा के बारे विस्तार पूर्वक बताया।

6 माह बाद सामने आया पत्नी के कातिल डॉक्टर का असली चेहरा, फॉरेंसिक साइंस रिपोर्ट से खुला सच

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में डॉक्टर दंपति की शादी के 11 महीने बाद एक दर्दनाक सच्चाई सामने आई है। अस्पताल के जनरल सर्जन डॉक्टर महेंद्र रेड्डी ने अपनी पत्नी डॉक्टर कृतिका रेड्डी की हत्या कर दी। कृतिका विक्टोरिया अस्पताल में इमर्गेन्सीजस्ट थी और बीते कुछ दिनों से बीमार थीं। घटना अप्रैल 2025 की है, जब कृतिका अपने पिता के घर रह रही थीं। तभी महेंद्र ने दो दिन तक उन्हें आईवी इंजेक्शन दिए जिसके बाद 23 अप्रैल को उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उध्था समय मराठाहल्ली पुलिस नं यूडीआर (आक्रुतिक मृत्यु रिपोर्ट) दर्ज की थी। 6 महीने बाद फ्रेंसिक साइंस लेब की रिपोर्ट में कृतिका के शरीर में एनस्फीसिया इग प्रोपोफेल मिला। यह दवा सिर्फ ऑपरेशन थियेटर में इस्तेमाल होती है। इसके बाद पुलिस ने मामला को हट्या में बदल कर आरोपी डॉक्टर महेंद्र रेड्डी को गिरफाल से गिरफ्तार कर लिया। कृतिका की बहन डॉक्टर निकिता रेड्डी ने ही शक जताया था और केस दर्ज कराया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के परिवार पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे जिन्हें शादी के समय छुपाया गया था। कृतिका के पिता मुनी रेड्डी ने कहा कि उनकी बेटी ने अपने पति पर भरोसा किया था, लेकिन पति ने ही उसका विश्वास तोड़ा। परिवार ने सख्त सजा की मांग की है।

हाथियों की आबादी में 18 फ़ीसदी की गिरावट ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंगली हाथियों की डीएनए के आधार पर पहली बार गणना की गई है। गणना के जो परिणाम सामने आए हैं। उसके अनुसार हाथियों की संख्या 2017 में 27312 थी। वह 2021 की जनगणना में घटकर 22446 रह गई है। जो पिछली जनगणना के मुकाबले 18 फीसदी कम है। यह रिपोर्ट 4 साल के बाद सार्वजनिक की गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने डीएनए आधारित गणना की जानकारी को चलत बताते हुए कहा है। इस बार की जनगणना वैज्ञानिक तरीके से की गई है। जिसके कारण हाथियों की जनसंख्या में कमी देखने को मिल रही है। इस बार की गणना पूरी तरीके से सही है। वही रिपोर्ट के अनुसार सड़क अतिक्रमण, रेल निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा की परियोजनाओं के चलते जंगल काटे जा रहे हैं उसको लेकर मानवों और हाथियों के बीच लगातार संघर्ष बढ़ रहा है इस संघर्ष में हाथियों की संख्या कम हो रही है। जो चिंता का विषय है।

‘जिनका आंदोलन से कोई वास्ता नहीं वो आज ट्रस्टी’- जगदगुरु रामभद्राचार्य

अयोध्या (एजेंसी)। जगद्गुरु रामभद्राचार्य रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में कोशल्या की गोद में बैठे लाडले राम के मंदिर का निर्माण कराए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किया। श्रीराम जन्मभूमि स्थी क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से भी मुलाकात की। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जो आज ट्रस्टी बने हुए हैं, यह कभी भी संघर्ष के दौरान नहीं थे। सिर्फ मैं और महंत नृत्य गोपाल दास, अशोक सिंघल, महंत अवैद्यनाथ जी थे। हम लोग जानते हैं, संघर्ष की लीला। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट को निरंकुश नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के मर्यादा की रक्षा करनी चाहिए और यह ट्रस्टियों की जिम्मेदारी भी है। मधुरा और काशी विवाद रामभद्राचार्य ने कहा कि हमारी भूमिका यही रहेगी, जो अयोध्या में राम मंदिर को लेकर रही है। उन्होंने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव के आयोजन पर कहा कि अयोध्या निरंतर सजती रहेगी। प्रभु रामलला के दर्शन की इच्छा हुई तो अयोध्या आ गए हैं, यहां बहुत ही अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का आगमन बहुत ही हर्ष का विषय है। महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात को लेकर रामभद्राचार्य ने कहा हमारी पुरानी मित्रता है। हम मित्रों की मुलाकात आनंद ही कुछ और होता है। वह अब बहुत कम पहचान पाते हैं, लेकिन मुझे पहचान लिया।

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए खोला पैसा का पिटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दे दी है। बुधवार को इस बारे में जानकारी कर रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू होती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़तीरों के तहत अनुदान 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी किया गया है। यह सहयता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन मिलेगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर-पेंशनभोगी हैं। वहीं शैक्षणिक अनुदान 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए प्रति माह प्रति विद्यार्थी किया गया है। यह सहायता अधिवृत्त में शामिल बच्चों को कक्षा 1 से स्नातक तक या दो वर्षीय परीक्षाओं कोर्स कर रही आश्रित विधवाओं को दी जाएगी। विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। विवाह अनुदान को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिवृत्त मु पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंजूरी की गई नई दरें 1 नवंबर 2025 से प्राप्त आवेदनों पर लागू होगी। इससे प्रति वर्ष करीब 257 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा, जो आर्म्ड फोर्स फरेंग डे फंड से वहन किया जाएगा।

बारिश ने बढ़ाया चेन्नई के जलाशयों का जलस्तर, आपूर्ति होगी मजबूत

चेन्नई (एजेंसी)। बारिश और जलग्रहण क्षेत्रों से बढ़ते जलप्रवाह के साथ चेन्नई के प्रमुख पेयजल जलाशय पूरी क्षमता के करीब हैं। इससे आने वाले महीनों में शहर में जल आपूर्ति की मजबूत होगी। तमिलनाडु जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पुंडी, पुझल, मेयमरबळ्ळम, रेड हिल्स और चोलावरम जलाशय, जो मिलकर चेन्नई की पेयजल जरूरतों को पूरा करते हैं, उनमें अब 8.328 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी है, जबकि उनकी संयुक्त क्षमता 11.757 टीएमसी फीट है, जो 70.9 फीसदी का एक स्वस्थ जल संग्रहण स्तर दर्शाता है।

महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार, कांग्रेस-राजद में 65-55 में फंसा पेंच

कांग्रेस ने 43 सीट पर किए उम्मीदवार चयनित, जल्द हो सकती है नामों की घोषणा

पटना(एजेंसी)। बिहार में चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार खत्म नहीं हो रही है। कांग्रेस चुनाव में 65 सीटें चाहती है और राष्ट्रीय जनता दल 55 सीटें देने को तैयार है। इधर पार्टी सूत्रों के मुताबिक महागठबंधन में पहले चरण की जिन सीटों पर सहमति बनी है उनके नाम आज घोषित हो सकते हैं। कांग्रेस ने अब तक कुल 43 सीट पर उम्मीदवार चयनित किए हैं। महागठबंधन में कांग्रेस 65 सीटों की मांग पर अड़े है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीटों की अदला-बदली को देखते हुए पार्टी 74 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दे रही है। ऐसे कांग्रेस ने सभी 243 सीटों पर दावेदारों से आवेदन मंगाए थे। महागठबंधन समन्वय समिति के समन्वयक तेजस्वी यादव के साथ बातचीत में कोई फार्मूला तय नहीं होने से मंगलवार को दिल्ली में पार्टी ने उम्मीदवारों के नाम पर विचार



किए। कांग्रेस अध्यक्ष महिंद्राजुंन खड्गे ने बैठक की अध्यक्षता की। कांग्रेस मंगलवार को भी सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम को अंतिम रूप नहीं दे सकी है।

दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंगलवार को 18 नामों पर चर्चा हुई। 3 घंटे चली बैठक में इन सीटों पर

प्रत्याशी के नाम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में 40 सीट की चर्चा हुई। शेष सीटों पर उम्मीदवार के नाम तय करने के लिए सब कमेटी का गठन किया गया है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि सभी मजबूत सीटों पर चर्चा हुई है। अब आगे की तैयारी कर रहे हैं।

दिल्ली में फिर हवा हुई जहरीली, एक्‍यूआई 206 पर पहुंचा, ग्रेप–1 लागू

नई दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर में हवा जहरीली हो गई है। करीब चार महीने के बाद दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार की सुबह दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में धुंध की मोटी चादर छाई रही। प्रदूषण की बढ़ती स्थिति को देखते हुए मंगलवार को ही ग्रेप–1 लागू कर दिया गया था। इसके तहत प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई कड़े कदम उठाए गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार सुबह 7-30 बजे तक दिल्ली का एक्‍यूआई 206 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी में आता है। वहीं, एनसीआर के अन्य शहरों में भी स्थिति चिंताजनक है। फरीदाबाद में एक्‍यूआई 189, गुरुग्राम में 156, गाजियाबाद में 145, ग्रेटर नोएडा में 123 और नोएडा में 136 दर्ज किया गया।

अब पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होगा पहलगाम जैसा हमला करना



जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तान की ताकत नहीं है कि वो भारत से सीधे मुकाबला कर सके। यही वजह है कि वो आए दिन भारत के खिलाफ साजिश रचता रहता है। पश्चिमी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कुछ इसी तरह की साजिश वाली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक बार फिर पहलगाम जैसी आतंकी साजिश रच सकता है, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे युद्ध करने की क्षमता और हिम्मत नहीं है। जनरल कटियार ने साफ कहा कि अगर पाकिस्तान कोई हरकत करता है तो भारत की जवाबी कार्रवाई और भी घातक होगी। उन्होंने कहा, अगर वे कुछ करने हैं तो हमारा जवाब पहले से कहीं ज्यादा घातक होगा। इसमें कोई शक नहीं। हम पूरी तरह तैयार हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि अगली कार्रवाई और निणायक होगी। जम्मू में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने

कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने कहा, हमने उसकी चौकियों और हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि वह फिर कुछ करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपनी दुर्भावनापूर्ण नीतियों से बाज नहीं आएगा, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे लड़ने की न तो क्षमता है और न ही साहस। उन्होंने कहा, भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है और हमें जनता का पूरा समर्थन प्राप्त है। यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम पाकिस्तान को करारी हार देने में सफल रहे। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत के बाद भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-आधिकृत कश्मीर में आतंक ढांचे को तबाह किया गया।

केरल में हिजाब विवाद छात्रा के पिता और स्कूल प्रबंधन ने बैठकर सुलझाया

–कुछ तत्व इसे लेकर सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कर रहे थे कोशिश

एर्नाकुलम (एजेंसी)। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति न देने से उभजा विवाद सुलझ गया। छात्रा के पिता ने बातचीत के बाद स्कूल के ड्रेस कोड का पालन करने की बात कही। वहां, शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट ने छात्रा को धार्मिक स्वतंत्रता के तहत हिजाब पहनने की अनुमति देने की सिफारिश की है। मामला कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल पछुक्कु का है, जहां कक्षा 8 की छात्रा के पिता पीएम अनस ने अपनी बेटी को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल प्रशासन ने इसे यूनिफॉर्म नीति का उल्लंघन बताते हुए



अस्वीकार कर दिया था। सोमवार और मंगलवार को स्कूल में तनाव के बाद कक्षाएं निलंबित कर दी गई थीं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद हिबी इंडन की मध्यस्थता में छात्रा के माता-पिता और स्कूल प्रबंधन के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद अनस ने कहा कि वह और उसकी बेटी स्कूल प्रबंधन के निर्देशों का पालन करेंगे। वह नहीं चाहते कि यह मामला सांप्रदायिक रंग ले। हमें समाज में भाईचारा बनाए रखना है। हिबी इंडन ने कहा कि कुछ तत्व इस विवाद के बहाने सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रा के पिता का यह

पहुंचाने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जलविद्युत परियोजना के बनने से पूर्वोत्तर राज्यों की बिजली की जरूरत आसानी से पूरी होगी। इसके अलावा अन्य राज्यों को भी बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीएन) ने कहा है कि केंद्र सरकार ने बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से 76 गीगावाट से ज्यादा जलविद्युत क्षमता स्थानांतरित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपए की परियोजना तैयार की है।

सोमवार को जारी रिपोर्ट में सीईए ने कहा कि इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों के 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली

परियोजनाएं शामिल की गई हैं, जिनकी संभावित क्षमता 64.9 गीगावाट और पंप-स्टोरेज संयंत्रों से अतिरिक्त 11.1 गीगावाट है। बेसिन की सीमापारीय प्रकृति और चीन से निकटता के कारण जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की योजना एक रणनीतिक मुद्दा बन गया है। भारत के ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाए जाने के बाद चीन को डर सता रहा है कि यह बांध भारतीय क्षेत्र में पानी के प्रवाह को 85 फीसदी कम कर सकता है। इतना ही नहीं, कभी युद्ध की स्थिति आई तो चीन इस बांध का दुरुपयोग भी कर सकता है। इससे ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

बता दें ब्रह्मपुत्र नदी, जो चीन के तिब्बत

कांग्रेस को डर सता रहा है। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट दावेदारों ने जमकर नारेबाजी भी की थी। इस कारण सदाकत आश्रम में हमेशा दिखने वाले नेताजी अब गायब हैं। दरअसल इस बार पार्टी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों से आवेदन मंगाए थे। इस कारण दावेदारों की संख्या चार हजार से ज्यादा है। चुनावी साल में संगठन के अभाव में इन दावेदारों के सहारे ही पार्टी ने कार्यक्रमों और अभियान को सफल बनाया। कांग्रेस इन्हें आश्चस्त करती रही कि कार्यक्रमों में मेहनत के अनुसार ही टिकट मिलेगा। नई दिल्ली में दावेदारों ने डेरा जमा लिया है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। कार्यकर्ता हाल ही में पार्टी में शामिल हुए नेताओं को तवज्जो देने से नाराज हैं।

तमिलनाडु में हिंदी पर बैन की तैयारी: सीएम स्टालिन की भाषाई स्वाभिमान नीति आई फिर चर्चा में

–हिंदी फिल्में, गाने, विज्ञापन बोर्ड्स और हॉर्डिंग्स पर रोक का प्रस्ताव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर बैन लगाने वाला विधेयक विधानसभा में पेश करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित बिल में हिंदी फिल्मों, गानों, विज्ञापन बोर्डों और हॉर्डिंग्स में हिंदी भाषा के प्रयोग पर रोक लगाने का प्रावधान शामिल हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने मंगलवार देर रात कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई, जिसमें बिल के मसौदे पर विस्तार से चर्चा हुई। यह बिल 14 अक्टूबर तक चल रहे विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जा सकता है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में लंबे समय से



हिंदी भाषा को लेकर विवाद चलता रहा है। डीएमके और अन्य द्रविड़ दल केंद्र की 'तीन-भाषा नीति' का विरोध करते रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कई मौकों पर कहा है कि राज्य के लोगों पर हिंदी थोपने का कोई भी प्रयास स्वीकार्य नहीं होगा।

मार्च 2025 में पेश किए गए राज्य बजट के दौरान भी स्टालिन सरकार ने एक भाषा नीति' का विरोध करते रहे हैं। मुख्यमंत्री दस्तावेजों और सिंबल से रुपए का हिंदी प्रतीक हटाकर तमिल अक्षर का उपयोग किया था, जो -रूबाई (रुपया)- शब्द का पहला

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई टल गई। अब मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। बात दें कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीताजलि जे. अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने याचिका में संशोधन करने की इजाजत मांगी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ को सुनवाई करनी है। इससे पहले, केंद्र सरकार और अन्य प्राधिकारियों से जवाब मांगा गया था। लेह प्रशासन ने अपने हलफनामे में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक की हिरासत का बचाव किया है। लेह के जिलाधिकारी रोमिल सिंह डोंक ने कहा कि हिरासत आदेश 216 सितंबर को पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि वह इस बात से संतुष्ट थे और अभी भी संतुष्ट हैं कि व्यक्ति को हिरासत में रखा जाए। हिरासत का आधार राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और समुदाय के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए हानिकारक गतिविधियों को बताया गया है।

चुनौती देने वाली याचिका, शराब, नशे व उपहारों के इस्तेमाल को लेकर आयोग सख्त

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने व्यय पर्यवेक्षकों को भी किया तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव में धनबल, शराब, नशे और मुफ्त उपहारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा की थी। अब आयोग ने चुनाव खर्च और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की है। चुनाव आयोग ने इस अभियान में



कई एजेंसियों को शामिल किया है, जिनमें राज्य पुलिस विभाग, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, एस्पएलबीसी, डीआरआई, सीजीएसटी, एसजीएसटी, कस्टम्स, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीसीएसएस, एक्स्पोजंट ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया, ड्रग फिजिंग विभाग और राज्य सहकारी विभाग

शामिल हैं। इन सभी को निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान धन, शराब, ड्रग्स या अन्य प्रलोभनों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। ये अधिकारी अधिसूचना जारी होते ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच गए हैं और वहां व्यय निगरानी से जुड़ी टीमों से मिलकर नजर रख रहे हैं। आयोग ने कहा कि पत्ताझं स्कोड, सर्विलांस टीमों और वीडियो मॉनिटरिंग टीमों चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगी ताकि किसी भी सौंदर्य गतिविधि या मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

जैसलमेर बस अग्निकांड: 2 अफसर सरपेंड, मृतकों की संख्या 21 पहुंची



जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में हुए भीषण बस अग्निकांड के बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को परिवहन विभाग ने चित्तौड़गढ़ के कार्यवाहक डीटीओ सुरेंद्र सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी चुन्नी लाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जांच में सामने आया कि हादसे का शिकार हुई बस की बांडी को चित्तौड़गढ़ परिवहन विभाग से ही अनुमोदन (अप्रूवल) मिला था। इस बीच, हादसे को लेकर पहली एफआईआर दर्ज की गई है। मृत पत्रकार राजेंद्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर सदर थाने में केस दर्ज कराया है। मृतकों की संख्या अब 21 हो गई है। बुधवार सुबह 10 वर्षीय यूनुस ने जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अभी भी चार घायल मरीज वेंटिलेटर पर हैं, जिनको हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब 3-30 बजे हुआ, जब जैसलमेर से जोधपुर जा रही प्राइवेट एसी स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार कई यात्री झुलस गए थे। शुरुआती जांच में संभावना जताई जा रही है कि बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग फैली, जिसने देखते ही देखते पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और परिवहन विभाग को बस बांडी अप्रूवल की प्रक्रिया की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा और घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की है।



इस परियोजना को लेकर चिंता जताई थी। जनवरी में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह

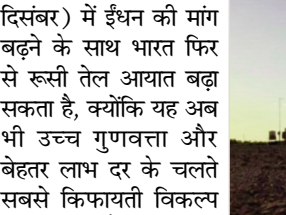
किया है कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में हो रही गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे।

रूस से तेल की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट होने के बाद भी सबसे बड़ा सप्लायर

नई दिल्ली

भारत के लिए होने वाले तेल की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है इसके बाद भी रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, लेकिन इस साल जनवरी से अगस्त 2025 के बीच रूस से भारत को तेल की आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। खबरों के मुताबिक कैपलर के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2025 में भारत ने औसतन 45 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल

आयात किया, जो अगस्त की तुलना में करीब 70,000 बैरल अधिक था, हालांकि पिछले साल के मुकाबले लगभग समान रहा। इनमें रूस की हिस्सेदारी करीब 34 प्रतिशत यानी लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन रही। इंडियन ऑयल कंपनी का कहना है कि भारत की तेल खरीद पूरी तरह आर्थिक गणना पर आधारित होती है, न कि किसी राजनीतिक दबाव पर। उन्होंने कहा कि भारत वही तेल खरीदता है जो कीमत और गुणवत्ता के लिहाज से लाभकारी हो। विशेषज्ञों का मानना है कि त्यौहारी सीजन (अक्टूबर से



डिस्कॉउंट घटने, वैश्विक तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव, और अन्य देशों से सस्ता तेल मिलने के कारण हुई है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें घटी हैं, जिससे रूस की दो जाने वाली छूट घटक सिर्फ 2 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, जबकि पहले यह कहीं अधिक थी।

डिस्कॉउंट घटने, वैश्विक तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव, और अन्य देशों से सस्ता तेल मिलने के कारण हुई है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें घटी हैं, जिससे रूस की दो जाने वाली छूट घटक सिर्फ 2 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, जबकि पहले यह कहीं अधिक थी।

इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने की सरकार से स्थायी प्रतिष्ठान नियमों की समीक्षा की मांग

मकसद: टैक्स प्रणाली को प्रतिस्पर्धी बनाना ताकि चीन जैसे देशों से मुकाबला कर सके

नई दिल्ली

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने सरकार से स्थायी प्रतिष्ठान नियमों की समीक्षा करने की मांग की है, ताकि टैक्स प्रणाली को प्रतिस्पर्धी बना सके और देश चीन और वियतनाम जैसे देशों के साथ

बेहतर मुकाबला कर सके। भारतीय सेल्युलर और इलेक्ट्रॉनिक्स संघ (आईसीईए) ने कहा है कि इन देशों ने पिछले दशक में अपने नियमों को इस तरह तैयार किया है कि विदेशी कंपनियों की मौजूदगी टैक्स योग्य बनी रहे, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर असर न पड़े। आईसीईए में ऐपल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, ओपो और डिवसन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक

सरकार इसपर पहले से ही विचार कर रही है। नीति आयोग ने हाल ही में विदेशी निवेशकों के लिए भारत में स्थायी प्रतिष्ठान और लाभ आवंटन में निश्चिंतता, पारदर्शिता और एकरूपता बढ़ाना शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंदू ने कहा कि अब इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्टफोन उत्पादन की ग्रोथ निर्यात पर आधारित है, इसलिए टैक्स नियमों को इस तरह से तैयार किया

जाना चाहिए कि निर्यात पर बोझ न पड़े और भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। आईसीईए के मुताबिक भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन अब 135 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें से 64 अरब डॉलर सिर्फ स्मार्टफोन उत्पादन का है। पिछले दशक में स्मार्टफोन निर्यात 20 गुना बढ़ा है और वित्त वर्ष 2024-25 में इसका निर्यात 24 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

टाटा संस आईपीओ लाती है तो ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों को फायदा, बढ़ जाएगा निवेश का मूल्य

नई दिल्ली

अगर टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस आरंभिक सार्वजनिक निर्यात (आईपीओ) लाती है तो समूह की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों, जिनकी संख्या सात है, को बड़ा फायदा हो सकता है। इससे टाटा संस में उनके निवेश का मूल्य बढ़ जाएगा, जो वर्षों पहले टाटा संस के वर्तमान संभावित मूल्यांकन की तुलना में कम मूल्यांकन पर किया गया था। टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा

केमिकल्स और टाटा पावर जैसी सूचीबद्ध समूह कंपनियां टाटा संस में शेयरधारकों का तीसरा सबसे बड़ा समूह हैं। ये टाटा ट्रस्ट्स और शापरजी पलोनजी समूह के बाद आती हैं। इसके अलावा ट्रेड के पास इस साल मार्च के अंत में टाटा संस में लगभग 1,000 प्रति शेयर के सममूल्य वाले संचयी तरजीही शेयर हैं, जिनकी कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये है। समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों की टाटा संस में कुल मिलाकर लगभग 12.1 प्रतिशत हिस्सेदारी

है। टाटा संस में सूचीबद्ध कंपनियों की हिस्सेदारी उनका ऐसा बड़ा हिस्सा वसूला लाभ है, जिसे टाटा संस के सूचीबद्ध होने पर 'उचित' बाजार मूल्यांकन मिलेगा। सात टाटा ट्रस्टों को संयुक्त रूप से प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उनके पास टाटा संस की 65.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सर दोगबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट क्रमशः 27.98 प्रतिशत और 23.56 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ टाटा संस के दो सबसे बड़े



शेयरधारक हैं। दूसरी ओर, शापरजी पलोनजी समूह अपनी दो निवेश फर्मों - स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड और साइरस इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी का मालिक है।

सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद सहारा समूह 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचेगा!

नई दिल्ली सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन अपनी 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचने की तैयारी में है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सहारा और अडानी समूह के बीच इस सौदे पर टर्म शीट पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। यह दस्तावेज कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में सौंपा है। सिब्बल ने कहा कि डील सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद ही आगे बढ़ेगी और इससे मिलने वाली रकम सहारा के बकायों से कहीं ज्यादा होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा करीब एक लाख करोड़ का हो सकता है। यह रकम सहारा समूह पर निवेशकों के बकाए से कई गुना ज्यादा बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में आदेश दिया था कि सहारा अपनी दो कंपनियों- सहारा हाउसिंग और सहारा रियल एस्टेट के जरिए जुटाई गई रकम को सेबी-सहारा खाते में जमा करे। यह राशि करीब 25,000 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब तक समूह को करीब 9,481 करोड़ रुपए और जमा करने हैं। इस सौदे से सहारा को बकाया चुकाने और निवेशकों का पैसा लौटाने में बड़ी राहत मिल सकती है। अडानी समूह की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि समूह इन सभी 88 संपत्तियों को एकमुश्त खरीदने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि सौदे की सटीक रकम की जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन डील सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद ही आगे बढ़ेगी। सरकार की ओर से सालिसिटर जनरल गुपार मेहता ने कहा कि सेबी-सहारा खाते से निवेशकों के पैसे की वापसी की प्रक्रिया पहले से चल रही है, इसलिए यह डील सरकार की जांच के बाद ही आगे बढ़नी चाहिए।

रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्ती 'चीन बनाम दुनिया' की लड़ाई बना

चीन ने सप्लाई चेन पर किया सीधा हमला, ट्रंप ने दी टैरिफ दोगुना करने की चेतावनी

वॉशिंगटन

अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव फिर बढ़ गया है। इसकी वजह चीन का रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्त नियम लागू करना। इन मिनरल्स के बिना इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर एयरक्राफ्ट तक का उत्पादन करना मुश्किल है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने चीन के इस कदम को उकसाने वाली कार्रवाई बताया है और कहा कि यह अब चीन बनाम बाकी दुनिया की लड़ाई बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने 9 अक्टूबर को नए नियम लागू किए हैं, जिनके तहत कोई भी कंपनी चाहे वह चीनी हो या

विदेशी यदि उसके उत्पाद में 0.1 फीसदी से ज्यादा रेयर अर्थ मैटेरियल है, तो वह सरकार की अनुमति के बिना निर्यात नहीं करेगी। सैन्य इस्तेमाल के लिए इन खनिजों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। चीन इस समय वैश्विक स्तर पर इन खनिजों के 70 फीसदी खनन और 90 फीसदी प्रोसेसिंग करता है। बेसेन्ट ने कहा कि ये खनिज छोटे मात्रा में इस्तेमाल होते हैं, लेकिन इनके बिना उत्पादन असंभव है। उन्होंने कहा कि चीन ने सप्लाई चेन पर सीधा हमला किया है, जिसे अमेरिका स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत, यूरोप और एशिया के लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर इसका जवाब देगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी सामानों पर टैरिफ दोगुना करने की धमकी दी है, जो नवंबर से 130



फीसदी तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि चीन की नीतियां बेहद आक्रामक हैं और अमेरिका अपने उद्योगों की रक्षा करेगा। हालांकि बाद में ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा- सब ठीक होगा। शी जिनपिंग और मैं दोनों अपने देशों के लिए स्थिरता चाहते हैं। बेसेन्ट ने कहा कि चीन को यह रणनीति उसकी आर्थिक कमजोरी को दर्शाती है। हालांकि उम्मीद है कि जल्द चर्चाओं से तनाव कम होगा।



फीसदी तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि चीन की नीतियां बेहद आक्रामक हैं और अमेरिका अपने उद्योगों की रक्षा करेगा। हालांकि बाद में ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा- सब ठीक होगा। शी जिनपिंग और मैं दोनों अपने देशों के लिए स्थिरता चाहते हैं। बेसेन्ट ने कहा कि चीन को यह रणनीति उसकी आर्थिक कमजोरी को दर्शाती है। हालांकि उम्मीद है कि जल्द चर्चाओं से तनाव कम होगा।

जापानी कंपनी निसान इंडिया की बढ़ती जा रही हैं मुश्किलें



नई दिल्ली

जापानी कंपनी निसान इंडिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सितंबर 2025 में लगातार चौथे महीने एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी। यह स्थिति कंपनी के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। कंपनी की किरायाती एसयूवी मैग्नाइट ही फिलहाल उसकी बिक्री को संभाले हुए है, जबकि प्रीमियम एसयूवी निसान एक्स-ट्रेल की स्थिति लगातार खराब हो रही है। करीब रुपए 49.92 लाख की एक्स-शोरूम कीमत पर पेश की गई यह 7-सीटर लगजरी एसयूवी एडवांस्ड फीचर्स से लैस है, लेकिन ग्राहकों से इसे अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल रही। बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी और फरवरी 2025 में एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी थी, मार्च में 15 यूनिट, अप्रैल में 76 और मई में 20 यूनिट की बिक्री

हुई। इसके बाद जून से सितंबर तक बिक्री का आंकड़ा फिर शून्य पर लौट आया। यानी पूरे साल में अब तक केवल 111 यूनिट ही बिक पाई, जो भारतीय बाजार में इसके कमजोर प्रदर्शन को दर्शाता है। एक्स-ट्रेल डी1 सेगमेंट की प्रीमियम एसयूवी है, जिसमें 7 एयरबैग, 4 डब्ल्यूडी सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ और डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स मौजूद हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका हाइब्रिड वर्जन लोकप्रिय है, लेकिन भारत में इसकी ऊंची कीमत, सीमित डीलर नेटवर्क और ब्रांड की कमजोर मौजूदगी इसके लिए बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं। ऑटो एक्सपर्ट्स का मानना है कि निसान ने लंबे समय से भारतीय बाजार में नए मॉडल आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी और फरवरी 2025 में एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी थी, मार्च में 15 यूनिट, अप्रैल में 76 और मई में 20 यूनिट की बिक्री

भारत में 1.33 लाख करोड़ निवेश करेगी गूगल -पहला एआई हब आंध्र प्रदेश में बनाएगी

नई दिल्ली गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। इस बातचीत के दौरान पिचाई ने पीएम मोदी को बताया कि उनकी कंपनी अगले पांच साल में भारत में 15 बिलियन डॉलर यानी लगभग 1.33 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी। इस बात की जानकारी पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर दी। पिचाई ने पीएम मोदी से बातचीत में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में गूगल के पहले एआई हब का प्लान भी शेयर किया। गूगल ने विशाखापट्टनम में एक बड़ा डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस शुरू करने का ऐलान किया है, जो अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा एआई हब होगा। देशभर में विकास को गति देते पिचाई ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह हब गीगावाट-स्केल की कंप्यूटिंग कैपैसिटी, एक नए इंटरनेशनल सबमरीन केबल गेटवे और लार्ज स्केल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके जरिए हम भारत में एंटरप्राइजेज और यूजर्स के लिए अपनी एडवांस टेक्नोलॉजी लाएंगे, एआई इनोवेशन को बढ़ावा देंगे और देशभर में विकास को गति देंगे।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार सेंसेक्स 575 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली

एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में लिवाली से बुधवार को भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा इस महीने के अंत में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच यह तेजी आई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 575.45 अंक या 0.70 प्रतिशत उछलकर 82,605.43 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 697.04 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 82,727.02 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.05 अंक या 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,323.55 पर आ गया। रुपये में आई 75 पैसे की तेजी

डॉलर के मुकाबले 75 पैसे की तेजी के साथ 88.06 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो कि लगभग चार महीनों में इसकी सबसे बड़ी इंट्राडे बढ़त है। ऐसा आरबीआई के संभावित हस्तक्षेप और घरेलू बाजारों में तेजी के कारण हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर आशावाद के कारण घरेलू बाजार में लगभग 0.70 प्रतिशत की तेजी आई।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व सबसे ज्यादा लाभ में रहें। एशियन पेट्र्स, लासर्न एंड टुबो, ट्रेट,



अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल और अदानी पोर्ट्स भी लाभ में रहें। वहीं, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग तेजी के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में

सकारात्मक रुख रहा।

मंगलवार को अमेरिकी बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि दो दिनों की बिकवाली के बाद राष्ट्रीय बाजार में थोड़ी तेजी आई, फिर अध्यक्ष द्वारा ब्याज दरों पर नरम रुख अपनाने तथा मात्रात्मक सख्ती समाप्त करने पर विचार करने से वैश्विक बाजार में धारणा मजबूत हुई।

इलेक्ट्रिक एसयूवी आर्योनिक 5 की बिक्री में लगातार गिरावट

नई दिल्ली कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी आर्योनिक 5 की बिक्री लगातार गिरावट पर है। इस गिरावट के पीछे क्रेटा इलेक्ट्रिक की मजबूत डिमांड है, जिसने आर्योनिक 5 की मार्केट पॉपुलैरिटी पर सीधा असर डाला है। सितंबर 2025 में इस एसयूवी की केवल 6 यूनिट बिकीं, जो इस साल की सबसे कमजोर मासिक बिक्री रही। बिक्री आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से सितंबर 2025 के बीच आर्योनिक 5 की कुल 135 यूनिट ही बिकी हैं। जनवरी और फरवरी में 16-16 यूनिट, मार्च में 19, अप्रैल में 16, मई में 11, जून में 12, जुलाई में 25, अगस्त में 14 और सितंबर में सिर्फ 6 यूनिट बिकीं। यह आंकड़े साल की दूसरी छमाही में मांग में तेज गिरावट को दिखाते हैं। कई डीलर अब स्टॉक क्लियर करने के लिए 5 लाख से 7 लाख रुपये तक का डिस्काउंट दे रहे हैं। आर्योनिक 5 की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 45.95 लाख है और यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में आती है। इसमें 12.3-इंच की दो डिजिटल स्क्रीन, 6 एयरबैग्म, लेवल-2 एडिओएस और 21 एडवांस सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इंटीरियर में इंको-फेंडली मटेरियल और रीसायकल प्लास्टिक का इस्तेमाल किया गया है। परफॉर्मेंस के लिहाज से 72.6 केडब्ल्यूएच बैटरी, 631 किलोमीटर की रेंज और 217 एचपी इलेक्ट्रिक मोटर इसे आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल एसयूवी बनाती है।

यूएई का एमिरेट्स एनबीडी बैंक भारतीय प्राइवेट बैंक आरबीएल को खरीदेगा

इस रणनीति का उद्देश्य आरबीएल बैंक की पूंजी संरचना को मजबूत बनाना

नई दिल्ली

भारतीय बैंकिंग सेक्टर में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दूसरे सबसे बड़े बैंक, एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी, भारतीय प्राइवेट बैंक आरबीएल बैंक को खरीदने की प्रक्रिया में है। आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक, एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल में करीब 15,000 करोड़ रुपए के निवेश के लिए अंतिम चरण की बातचीत कर रहा है। एक्स-ट्रेल की पूरा होने पर यूएई बैंक आरबीएल बैंक का सबसे बड़ा शेयरधारक बन जाएगा और उसका नियंत्रण अपने हाथों में लेगा।

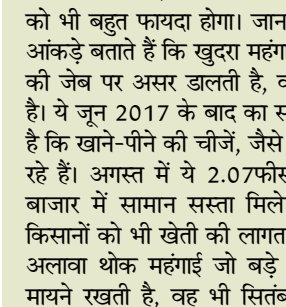
यह बड़ा निवेश प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए किया जाएगा, जिसमें एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक के शेयर और वॉरंट्स खरीदेगा। इसके बाद, अतिरिक्त 26फीसदी शेयरों के लिए एक ओपन ऑफर भी लाया जाएगा। इस रणनीति का उद्देश्य आरबीएल बैंक की पूंजी संरचना को मजबूत बनाना है ताकि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार हो

सके। वर्तमान में आरबीएल बैंक का मार्केट कैप करीब 17,786.8 करोड़ है। निवेश पूरा होने के बाद एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक की कुल इक्विटी का 51 फीसदी अपने नाम कर लेगा, जिससे उसे बैंक के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण मिल जाएगा। सूत्रों की माने तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में इस सौदे के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे एमिरेट्स एनबीडी बैंक की भारत में उपस्थिति और भी मजबूत होगी। यह डील न केवल बैंकिंग सेक्टर में यूएई बैंक की पकड़ बढ़ाएगी, बल्कि भारत और पश्चिम एशिया के बीच बढ़ते रेमिटेंस मार्केट में भी उसकी स्थिति को सशक्त करेगी। खाड़ी देशों में बसे भारतीय प्रवासी देश के कुल प्रवासी समुदाय का करीब आधा हिस्सा है। आरबीआई आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024 में खाड़ी से भारत आए कुल 38.7 अरब डॉलर के रेमिटेंस में से आधा हिस्सा सिर्फ यूएई से आया था। यह भारत के लिए विदेशी मुद्रा का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में एमिरेट्स एनबीडी बैंक का आरबीएल बैंक में निवेश, दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को भी नई दिशा देगा।

लोगों को मिली खुशखबरी।घटी महंगाई, अमेरिका से ट्रेड डील में हुई प्रगति

आईएमएफ बोले- भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा

नई दिल्ली बीते दो दिनों में महंगाई में कमी से लेकर विदेशों में भारत की तारीफ को खबरों ने दिल को सुकून दिया। इससे भारत सरकार और देशवासियों को भी बहुत फायदा होगा। जानकारी के मुताबिक सितंबर महीने के आंकड़े बताते हैं कि खुदरा महंगाई, यानी सीपीआई, जो आम आदमी की जेब पर असर डालती है, वह गिरकर 1.54फीसदी पर आ गई है। ये जून 2017 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि खाने-पीने की चीजें, जैसे सब्जियां और अनाज, अब सस्ते हो रहे हैं। अगस्त में ये 2.07फीसदी थी, जो थोड़ा ज्यादा थी। अब बाजार में सामान सस्ता मिलेगा, तो घर चलाना आसान होगा। किसानों को भी खेती की लागत कम करने में मदद मिलेगी।। इसके अलावा थोक महंगाई जो बड़े व्यापारियों और फैक्ट्रियों के लिए मायने रखती है, वह भी सितंबर में घटकर 0.13फीसदी हो गई। अगस्त में ये 0.52फीसदी थी। सरकार ने बताया कि खाने का सामान, फैक्ट्री के प्रोडक्ट और अन्य चीजों के दाम कम होने से ये राहत मिली है। थोक में सामान सस्ता होने से दुकानों में भी कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। वहीं बात भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों की है। दोनों देशों के बीच जो ट्रेड डील रुकी हुई थी, अब उसमें प्रगति दिख रही है। हाल ही में अमेरिकी टीम दिल्ली आई थी, और अब भारतीय दल इसी हफ्ते अमेरिका जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत सही रास्ते पर है और रुके हुए मुद्दे सुलझ सकते हैं। अगर ये डील हो गई, तो भारत का निर्यात बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी और हमारी अर्थव्यवस्था को नया जोश मिलेगा। अमेरिका जैसे बड़े देश के साथ डील हमारे लिए मौका है। सबसे गलत वाली खबर आईएमएफ से आई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख किस्टालिना जोर्जीवा ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा है। आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठक से पहले उन्होंने बताया कि भारत की आर्थिक नीतियों ने सबको गलत साबित किया, जो इसकी प्रगति पर शक करते थे। भारत की रफ्तार देखकर दुनिया हैरान है।

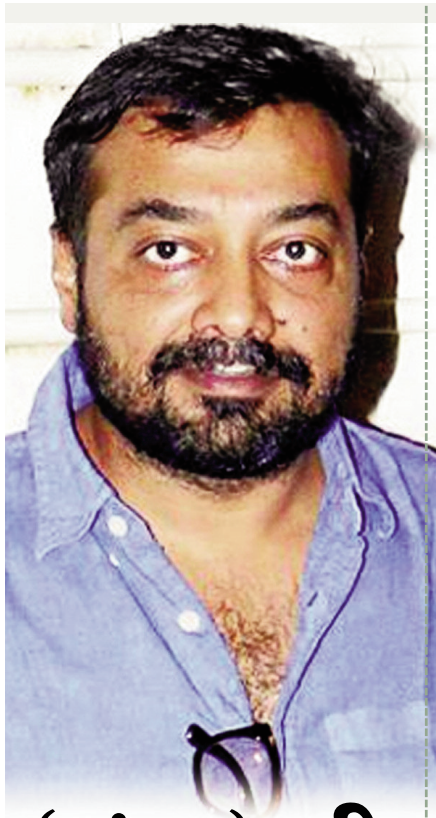


अगस्त में ये 0.52फीसदी थी। सरकार ने बताया कि खाने का सामान, फैक्ट्री के प्रोडक्ट और अन्य चीजों के दाम कम होने से ये राहत मिली है। थोक में सामान सस्ता होने से दुकानों में भी कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। वहीं बात भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों की है। दोनों देशों के बीच जो ट्रेड डील रुकी हुई थी, अब उसमें प्रगति दिख रही है। हाल ही में अमेरिकी टीम दिल्ली आई थी, और अब भारतीय दल इसी हफ्ते अमेरिका जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत सही रास्ते पर है और रुके हुए मुद्दे सुलझ सकते हैं। अगर ये डील हो गई, तो भारत का निर्यात बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी और हमारी अर्थव्यवस्था को नया जोश मिलेगा। अमेरिका जैसे बड़े देश के साथ डील हमारे लिए मौका है। सबसे गलत वाली खबर आईएमएफ से आई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख किस्टालिना जोर्जीवा ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा है। आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठक से पहले उन्होंने बताया कि भारत की आर्थिक नीतियों ने सबको गलत साबित किया, जो इसकी प्रगति पर शक करते थे। भारत की रफ्तार देखकर दुनिया हैरान है।

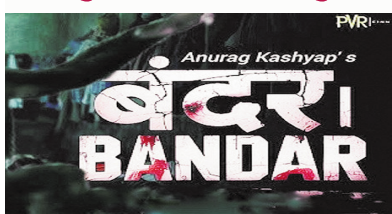
सोने,चांदी की कीमतों ने आया अखाल



नई दिल्ली दिवाली करीब आते ही सोना-चांदी की कीमतें आकाश छू रही हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,26,697 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 1,60,131 रुपए प्रति किश्रा पर पहुंच गयी है। वहीं गत दिवस दिल्ली सरफाका बाजार में सोने की कीमतें 2,850 रुपए बढ़कर पहली बार 1.3 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच गयीं। अखिल भारतीय सरफाका संघ के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,850 रुपए बढ़कर 1,30,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछली सत्र में यह 1,27,950 रुपए पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,850 रुपए बढ़कर 1,30,200 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,27,350 रुपए प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 6,000 रुपए के उछाल के साथ 1,85,000 रुपए प्रति किलोग्राम सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो लगातार पांचवें दिन की बढ़त है। पिछले बाजार सत्र में यह 1,79,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं माना जा रहा है कि सरफाका रीमों में तेजी का कारण त्यौहारी और शादी-व्याह के मौसम से पहले मांग बढ़ना है। डॉलर के मुकाबले रुपए में आई कमजोरी भी इसका एक कारण है। ये 12 पैसे गिरकर 88.80 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना रिकॉर्ड उंचाई से नीचे आया पर फिर भी ऊपर बना रहा। वहीं दिन में पहले 4,179.71 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद, यह 0.72 फीसदी बढ़कर 4,140.34 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।



‘बंदर’ की आलोचनाओं पर अनुराग ने तोड़ी चुप्पी



अपनी पिछली रिलीज फिल्म ‘निशानची’ को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले अनुराग कश्यप अब अपनी आगामी फिल्म ‘बंदर’ को लेकर चर्चाओं में हैं। बांबी देओल स्टारर इस फिल्म का हाल ही में टॉरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। वहां प्रीमियर होने के बाद फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे काफी उत्तेजक और भड़काऊ फिल्म बता रहे हैं। जबकि कई लोग इसे मीटू मूवमेंट से जोड़कर मीटू विरोधी बता रहे हैं। अब इन आलोचनाओं के बीच निर्देशक अनुराग कश्यप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और प्रतिक्रिया दी है।

मीटू से फिल्म का कोई लेना-देना नहीं स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर रिएक्शन देते हुए कहा कि इसका मीटू से कोई लेना-देना नहीं है। निर्देशक ने कहा कि जब कोई फिल्म झूठे बलात्कार के आरोप के बारे में होती है, तो ऐसी बातें होती हैं। लेकिन ‘मीटू’ ताकत के बारे में है, किसी व्यक्ति द्वारा ताकत के पद का इस्तेमाल करके कुछ करने के बारे में। इस फिल्म का उस तरह के पावरप्ले या उस तरह के पहलू से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए इस फिल्म का मीटू अभियान से कोई लेना-देना नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं रही ‘निशानची’ वर्कफंट की बात करें तो अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित ‘निशानची’ पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा था। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वहीं बांबी देओल आखिरी बार आर्यन खान के शो ‘द बैड्स ऑफ बॉलीवुड’ में नजर आए थे। अब बांबी यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म ‘अल्फा’ में नजर आएंगे।



हर कोई जवान दिखने की कोशिश कर रहा है, आपको भी करनी चाहिए

बॉलीवुड में अभिनेताओं की बढ़ती उम्र हमेशा से बहस का विषय रही है। पुरुष अभिनेता फिल्मों में अपने से काफी छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते रहते हैं। ऐसे में क्या महिला अभिनेत्रियों को अपनी उम्र बढ़ने से रोकने का दबाव महसूस होता है? इस पर चित्रांगदा सिंह ने अपनी बात रखी है।

किरदार निभाना आना चाहिए क्या महिला कलाकारों से वाकई जवान दिखने की उम्मीद की जाती है, इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा यह सबके लिए है। अगर आप 70 साल की महिला का किरदार निभा रही हैं, तो आपको वैसा ही दिखना चाहिए। अगर आप 30 साल की उम्र की भूमिका निभाना चाहती हैं, तो आपको उसे निभाना आना चाहिए।

अक्षय कुमार फिटनेस पर ध्यान देते हैं चित्रांगदा सिंह का कहना है कि निर्माताओं का ऐसा सोचना जायज है। पुरुष अभिनेताओं के लिए भी यही बात लागू होती है। अक्की (अक्षय कुमार) अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, अपने खान-पान पर ध्यान देते हैं। बेशक, जब किसी पुरुष अभिनेता का किरदार लिखा जाता है, तो महिला किरदार के बजाय ज्यादा लचीलापन



होता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई पक्षपात है। वे फिल्म को आगे बढ़ाते हैं।

करिना और विद्या अच्छा कर रही हैं



चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा समय बहुत बदल गया है। करिना कपूर कमाल का काम कर रही हैं। विद्या (बालन) बहुत काम कर रही हैं। ये सभी कलाकार अभी भी स्क्रीन पर अपनी अच्छी उपस्थिति बनाए हुए हैं। जहां तक एक खास तरह का दिखने के दबाव की बात है, निकोल किडमैन, डेमी मूर को ही देख लीजिए, हर कोई (जवान दिखने की) कोशिश कर रहा है, आपको भी यह कोशिश करनी होगी। बेशक कलाकारों को हर चीज में दबाव का सामना करना पड़ता है।

चित्रांगदा सिंह का वर्कफंट

चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म बैटल ऑफ गलवा में नजर आने वाली हैं। सलमान खान इसमें आर्मी अफसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म अगले साल की शुरुआत में रिलीज हो सकती है।



अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप लाएगी हुमा कुरैशी

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर आने वाली बहुचर्चित सीरीज ‘महारानी’ के चौथे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा कुछ समय पहले की थी। अब इसका ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बार कहानी बिहार की सीमाओं को पार कर सीधे दिल्ली की सियासत में दस्तक दे रही है। सीरीज की नायिका हुमा कुरैशी, यानी रानी भारती, अब बिहार की नहीं बल्कि देश की राजनीति को हिला देने की तैयारी में हैं। ट्रेलर में रानी कहती हैं- अगर आपने हमारे दुश्मन से हाथ मिलाया तो सिंहासन खींच लेंगे आपको।

मेकर्स ने जारी किया ट्रेलर

ट्रेलर जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा- शेरनी लौटी है अपने घर की रक्षा करने! रानी तैयार है अपनी अब तक की सबसे बड़ी जंग के लिए। महारानी की स्ट्रीमिंग शुरू होगी 7 नवंबर से।

सीरीज की स्टारकास्ट

निर्देशक सुभाष कपूर ने इस बार भी सीरीज को अपने खास ब्यंग और तीखे संवादों से भर दिया है। सीरीज में हुमा कुरैशी के साथ अमित सियाल, कनी कुसरुती, विपिन शर्मा, विनीत कुमार और प्रमोद पाठक जैसे अनुभवी कलाकार दिखाई देंगे। इन सभी ने अपने-अपने किरदारों से कहानी को और भी मजबूत बनाया है। खासतौर पर अमित सियाल का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में अभिनय सीरीज की रीढ़ साबित हो रहा है।

इस सीजन की कहानी

पिछले सीजन तक रानी भारती बिहार की मुख्यमंत्री बन चुकी थीं, लेकिन अब कहानी वहां से आगे बढ़ती है। दिल्ली की सत्ता में एंट्री के साथ सीरीज और भी अधिक रोमांचक हो गई है। ट्रेलर में संसद की झलक, सत्ता के सौदे और राजनीतिक गठजोड़ों का खेल साफ तौर पर नजर आ रहा है।



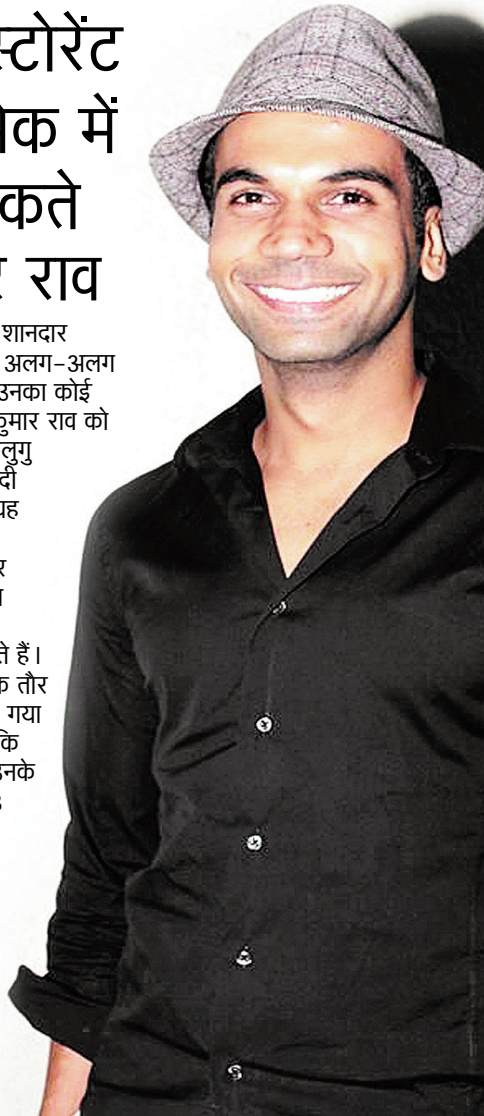
रणवीर सिंह, बांबी देओल और श्रीलीला ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग की पूरी

रणवीर सिंह, बांबी देओल और श्रीलीला की आने वाली फिल्म काफी चर्चा में है। सेट से झलकियां और लीक हुई तस्वीरें सामने आने के बाद से ही यह प्रोजेक्ट सुर्खियों में है। ऐसे में जब इस तिकड़ी को साथ में शूटिंग करते देखा गया, उसके बाद फेन्स के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई। यह जानने के लिए कि आखिर यह टीम किस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। अब सूत्र के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। टीम ने हाल ही में आखिरी शेड्यूल खत्म किया है, जिससे इस साल के सबसे बड़े और

रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, शूटिंग आराम से पूरी हो गई है और मेकर्स जल्द ही कुछ बड़ी करने की सोच रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी खबर अगले हफ्ते आ सकती है। रणवीर और श्रीलीला की जोड़ी बहुत अच्छी लगी है, जो नई, जोश से भरी हुई और दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। फिलहाल फिल्म से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन फैंस का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आने वाले दिनों में एक बड़ी घोषणा होने की उम्मीद है।

बकासुरा रेस्टोरेट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनेचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।



मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित

कार्तिक आर्यन, भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं और हाल ही में उन्होंने अब आधिकारिक रूप से फिल्मफेयर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है! सुपरस्टार ने कबीर खान निर्देशित फिल्म चंदू चैपियन में अपने दमदार और रूपांतरकारी प्रदर्शन के लिए अपना पहला फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यह पल किसी जादू से कम नहीं था, लेकिन सच पुछिए तो उनके लिए यह सालों की मेहनत, अनुशासन और अटूट विश्वास का परिणाम था। चंदू चैपियन में कार्तिक ने सिर्फ एक किरदार नहीं निभाया, बल्कि भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी को जिया और उनकी हर शारीरिक और भावनात्मक सीमा को पार करते हुए इस किरदार को सच्चाई के साथ पढ़े पर

उतारा। सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कार्तिक ने लिखा, चैपियन गिरता है, पर रुकता नहीं। कुछ पल सपने जैसे लगते हैं, और यह उनमें से एक था। मेरा पहला फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड चंदू चैपियन के लिए। टीवी पर सिर्फ ‘ब्लैक लेडी’ को देखा करता था, और आज उसे हाथों में थामना... यह उन सब सपने देखने वालों के लिए है जो कभी हार नहीं मानते। कार्तिक ने अपने निर्देशक कबीर खान के प्रति भी गहरी कृतज्ञता जताई, उन्हें सच्चाई, भावना और ताकत से भरे फिल्ममेकर बताते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ निर्देशन नहीं किया, बल्कि उन्हें एक कलाकार के रूप में बदल दिया। उन्होंने निर्माताओं साजिद नाडियाडवाला और वर्धा खान नाडियाडवाला को भी उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सुदीप चटर्जी को हर परेम में भावना भरने के लिए और प्रीतम को फिल्म में आत्मिक संगीत देने के लिए शुक्रिया कहा। सबसे भावुक पल तब आया जब कार्तिक

ने यह अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित किया, जिनकी प्रेरणादायक यात्रा आज भी लाखों लोगों को आगे बढ़ने की ताकत देती है। चंदू चैपियन में कार्तिक ने एक ऐसा रूप दिखाया, जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा था और यह रूप था कोमल लेकिन जज्बे से भरा, भावनात्मक लेकिन अडिग। इस फिल्म ने उनके करियर में एक मील का पत्थर जोड़ा और यह साबित किया कि वे न केवल एक स्टार हैं, बल्कि एक ऐसे कलाकार हैं जो दर्शकों के दिलों तक पहुँचना जानते हैं। जब कार्तिक ने हाथों में प्रतिष्ठित ‘ब्लैक लेडी’ थामी, वह सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि मेहनत, जुनून और पूरे हुए सपनों का प्रतीक थी। इस ऐतिहासिक जीत के साथ, कार्तिक आर्यन ने यह साबित कर दिया है कि वे अपनी पीढ़ी के सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। साथ ही वे उन तमाम सपने देखने वालों के लिए प्रेरणा हैं, जो असंभव को संभव करने का हौसला रखते हैं। फिलहाल वे जल्द ही करण जोहर की धर्मा

प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली रोमांटिक कॉमेडी तू मेरा मैं तेरी, मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगे। इसके अलावा, उनकी आनेवाली फिल्मों में अनुराग बसु की एक अनटाइटल्ड लव स्टोरी और बहुप्रतीक्षित फिल्म नागजिला भी शामिल है।

